दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54 / अंक 313 / पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 27 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

अहमदाबाद से पुरी और उदयपुर तक श्रद्धा की उमंग

देशभर में जगन्नाथ रथ यात्रा की धूम

अहमदाबाद। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया गया। जमालपुर स्थित ऐतिहासिक मंदिर में सुबह मंगला आरती के साथ दिन की शुरुआत हुई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने परिवार सहित शामिल हुए। आरती के बाद भगवान को खिचड़ी का भोग लगाया गया। सुबह 5 से 6 बजे के बीच भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथों पर विराजमान किया गया। इसके बाद सुबह 7 बजे से यात्रा की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पारंपरिक 'पाहिंद विधि' निभाते हुए सोने की झाड़ू से रथ मार्ग की सफाई कर यात्रा की विधिवत शुरुआत की। रथ यात्रा पूरे शहर में भ्रमण करते हुए रात करीब 8.30 बजे भगवान के मंदिर वापसी के साथ समाप्त होगी।

पुरी में जगन्नाथ जी की यात्रा आज दोपहर बाद

ओडिशा के पुरी में विश्वप्रसिद्ध श्रीजगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन शुक्रवार को पूरे श्रद्धा और परंपरा के साथ किया जा रहा है। यहां सुबह 6 बजे मंगला आरती और फिर श्रृंगार तथा खिचड़ी भोग की परंपराएं निभाई गईं। इसके बाद सुबह 9.30 बजे से भगवान को मंदिर से बाहर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। बलभद्र, सुभद्रा और श्रीजगन्नाथ को उनके-अपने रथों में बैठाकर, रथों की पूजा की गई। दोपहर 3 बजे पुरी के राजपरिवार के गजपति महाराज दिव्य सिंह देव सोने की झाड़ू से रथ मार्ग की सफाई करेंगे, जिसे 'छेरा पहरा' कहा जाता है। इस अनुष्ठान के बाद रथ यात्रा की शुरुआत होगी। भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ करीब 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर जाएंगे, जिसे उनकी मौसी का घर माना जाता है।

महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं, जगन्नाथ हैं, तो जीवन है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर हैं। बता दें कि देशभर में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। ओडिशा के पुरी की यात्रा सबसे बड़ी होती है। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ ! प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया कि महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए निकले। इसके अलावा, प्रधानमंत्री वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग-अलग राज्यों में बहुत-बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है।

बेकाबू हाथी सड़क पर दौड़ने लगा

अहमदाबाद में 148वीं जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई। यात्रा में 17 हाथियों को भी शामिल किया गया। यात्रा के दौरान तीन हाथी डीजे की आवाज से बेकाबू हो गए। इस दौरान हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा एक हाथी तेज गति से सड़क पर इधर-उधर दौड़ने लगा। इससे अफरातफरी मच गई। अफरातफरी में तीन-चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। डॉक्टर और वन विभाग की टीम की मदद से हाथी को नियंत्रित किया गया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

युवा मोर्चा आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 'मॉक पार्लियामेंट' का किया आयोजन

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल: सीएम यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा उस समय जो तत्कालिन प्रधानमंत्री थी उन्होने ने गलत तरीके से चुनाव जीता था। उन्होने चुनाव में भ्रष्ट अचारण किया। वे गलत तरीके से चुनाव जीत गई । उस चुनाव में राज नारायण हार गए और उन्होंने ने हाईकोई में पिटीशन दायर की। उन्होंने

हाईकोई में ये सिद्ध किया कि इंदिरा गांधी ने उन्होंने ने गलत तरीके से और शासन और प्रशासन का दुरउपयोग करके वे चुनाव जीत गई । हाईकोर्ट में 3 साल तक सुनवाई चली और उन्होंने ने इंदिरा गांधी और राज नारायण सिंह के सारे तर्क सुने। और हाईकोर्ट ने कहा कि जो ये शिकायत की गई है वे सही है और कोर्ट ने कहा कि ये जो चुनाव में चुना जाना आसंवैधनिक है। इसमें क्या गलत था। अंबेडकर जी ने संविधान बनाते समय कहा थी कि इस संविधान में सब कुछ है। इसका पालन करना चाहिए। संविधान का पालन करने वाले और लागू करने वाले की कारप्ट हो जाएगे तो फिर हम कुछ नहीं कर सकते है। संविधान ने न्यायलय को भी स्वतंत्रता दी है। लोकतंत्र की इस भावना के आधार पर ही तो मुकदमा चला था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी श्री रोहित चहल एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने शुक्रवार को नगर निगम सभागार, आईएसबीटी बस स्टैंड भोपाल में आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र पर हुए हमले की स्मृति में मॉक पार्लियामेंट्स (युवा संसद) संबोधित किया।

आपातकाल के काले सच को जनता तक पहुंचाएं कार्यकर्ता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौरान करीब सवा लाख लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया गया। जिस कलम ने आपातकाल के खिलाफ लिखने की कोशिश की, उसे तोड़ दिया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय कहा था कि इस सरकार के पीछे कई पीढ़ियों का बलिदान है, संघर्ष है, त्याग और तपस्या है।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का खास प्लान

पीएम मोदी की नौ रैलियां, 200 सीटों पर होगा असर

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज हो चुकी हैं। अगले ढाई महीनों के लिए भाजपा ने भी बिहार में बड़े अभियान की तैयारी कर रखी है। खास बात यह है कि भाजपा के इस अभियान का नेतृत्व खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले हैं। बिहार भाजपा के एक नेता के मुताबिक पीएम मोदी अभी तक बिहार में छह रैलियों को संबोधित कर चुके हैं। आने वाले दिन में उनके कई और कार्यक्रम यहां पर होने वाले हैं। भाजपा नेताओं के

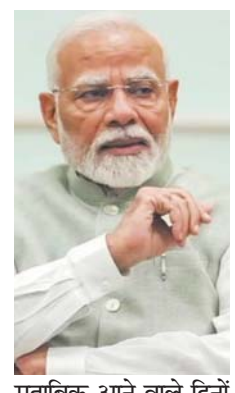

मुताबिक आने वाले दिनों में पीएम मोदी के कई और कार्यक्रम भाजपा में होने वाले हैं। इसके अलावा गृहमंत्री अमित शाह के भी यहां आने की संभावना है।

तारीख और जगह को लेकर मंथन जारी

बिहार में पीएम मोदी की कुल नौ रैलियां कराने की योजना है। ईटी के मुताबिक भाजपा नेताओं ने बताया कि इन रैलियों का प्रभाव 200 विधानसभा सीटों के क्षेत्र पर होगा। इनमें से रोहतास और सारण क्षेत्र में दो रैलियां पीएम मोदी पहले ही संबोधित कर चुके हैं। बाकी बची हुई सात रैलियों को अगले ढाई महीने में संबोधित करेंगे। इन रैलियों की तारीख और जगह को लेकर फिलहाल चर्चा चल रही है। जानकारी के मुताबिक अगले करीब एक हफ्ते में इसके बारे में ऐलान हो जाएगा। बिहार चुनाव को लेकर पीएम मोदी का यह अभियान सितंबर में खत्म हो जाएगा।

मामा शिवराज ने कैलाश के घर किये भोजन

इंदौर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गुरुवार को 18 मिनट तक बंद में कमरे में चर्चा की। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर कमरे के बाहर खड़े होकर बैठक खत्म होने का इंतजार करती

रहीं। हालांकि दोनों सीनियर नेताओं ने अकेले में किस विषय पर चर्चा की, इसकी जानकारी नहीं आई है। बता दें कि गुरुवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर में सोयाबीन अनुसंधान केंद्र में हितग्राहियों से संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान वे कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर पहुंचे भोजन किया और चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में औद्योगिक विकास, कौशल और रोजगार का आज रतलाम में होगा संगम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास, कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन को समर्पित रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन 27 जून को रतलाम में हो रहा है। यह आयोजन प्रदेश में रोजगार सृजन, उद्यमिता संवर्धन और आत्मनिर्भरता के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की सिद्धि की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। एमपी राइज 2025 आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को दिशा देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर रतलाम में एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे।

प्रदेश के टॉपर्स को सीएम मोहन यादव देंगे लैपटॉप, स्कूटी और साइकिल

मध्य प्रदेश के 5 लाख मेधावी छात्रों को जुलाई खत्म होने से पहले लैपटॉप, स्कूटी और साइकिल मिल जाएगी। जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश सरकार जुलाई के पहले सप्ताह में करीब 5 लाख छात्रों को ये लाभ देने जा रही है। इनमें से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लैपटॉप और साइकिल योजना के तहत लाभ मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों से पात्र छात्रों की जानकारी मांगी है। 4 जुलाई से पहले छात्रों का डेटा एज्यूकेशन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

संघ का संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा का आह्वान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था। ये कभी भी बीआर आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे। आपातकाल पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, संसद काम नहीं कर रही थी, न्यायपालिका पंगु हो गई थी, तब ये शब्द जोड़े गए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा हुई।

अब हफ्ते भर में होगा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का फैसला

अध्यक्ष चुनाव को लेकर एक-दो जुलाई को भोपाल आ सकते हैं प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर छह महीने से बना असमंजस हफ्ते भर में दूर होने जा रहा है। अगले महीने में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है। एक-दो जुलाई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान भोपाल आएंगे। प्रधान के भोपाल आने की तारीख अभी तय नहीं हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर भाजपा के केन्द्रीय चुनाव अधिकारी की ओर से एक -दो दिन में जारी हो सकता है। चुनाव कार्यक्रम में उम्मीदवार के नामांकन दाखिल करने, स्क्रूटनी और नाम वापसी के साथ ही निर्वाचन की घोषणा का पूरा शेड्यूल घोषित होगा। माना जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पाने के कारण चुनाव टल रहा था। इस बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी परिस्थितियों के कारण चुनाव प्रक्रिया अघोषित तौर पर आगे बढ़ गई।

हेमंत का दावा सबसे मजबूत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों की रेस में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सबसे मजबूत नेता हैं। खंडेलवाल को सीएम डॉ मोहन यादव के साथ संघ की ओर से भी ग्रीन सिग्नल है। ऐसे में खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे हैं। वीडी शर्मा की जगह यदि ब्राह्मण पर फिर से पार्टी दांव लगाती है तो पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा सबसे मुख्य ब्राह्मण दावेदार हैं। नरोत्तम के अलावा विधायक और पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, सांसद आलोक शर्मा और, जबलपुर आशीष दुबे भी इस रेस में शामिल हैं।

सीएम काफिले की 19 गाड़ियां डीजल भरवाते ही अचानक हुई बंद

देर रात सील हुआ पेट्रोल पंप

पेट्रोल पंप के डीजल में पानी मिलाने की आशंका

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रतलाम जिले में आज मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का दौरा है. सीएम के रतलाम दौरे से पहले उनका काफिला गुरुवार शाम रतलाम के लिए निकला था, लेकिन काफिले की 19 गाड़ियां अचानक हिचकोले खाने लगी और देखते ही देखते काफिले की कुल 19 गाड़ियां बंद पड़ गई, जिससे गाड़ी चला रहे ड्राइवर्स को धक्का लगाना पड़ गया.

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के रतलाम दौरे से पहले गुरुवार शाम रतलाम जा रही सीएम के काफिले की 19 गाड़ियां बंद पड़ गई. काफिले की गाड़ियां एक के बाद एक हिचकोले खाते हुए बंद हो गई, जिससे चालकों का गाड़ियों से उतरकर धक्का लगाना पड़ गया. गौरतलब है मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव आज रतलाम दौरे पर है. सीएम मोहन दोपहर 1 बजे भोपाल से रतलाम पहुंच रहे हैं. सीएम के रतलाम दौरे से पहले मुख्यमंत्री का काफिला

रतलाम जा रहा था, लेकिन चलते-चलते काफिले की 19 गाड़ियां अचानक बंद हो गईं.

रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार शाम सीएम मोहन के रतलाम दौरे से पहले रतलाम के लिए रवाना हुई सीएम काफिले की 19 गाड़ियों ने एक पेट्रोल पंप से डीजल भरवाया था. आशंका जताई गई कि पेट्रोल पंप का डीजल मिलावटी होने के कारण काफिले की गाड़ियां बंद पड़ गई. डीजल में पानी मिलाने की संभावना जताई गई है. सीएम मोहन के रतलाम दौरे से पहले रतलाम के लिए रवाना हुई सीएम काफिले की 19 गाड़ियों ने एक पेट्रोल पंप से डीजल भरवाया था. आशंका जताई गई कि पेट्रोल पंप का डीजल मिलावटी होने के कारण काफिले की गाड़ियां बंद पड़ गई. प्रशासन ने देर रात सील किया पेट्रोल पंप. सीएल काफिले की 19 गाड़ियों के अचानक बंद होने की सूचना मिलते ही जिले में हड़कंप मच गया. मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने आनन-फानन में उस पेट्रोल पंप को सील कर दिया, जहां से काफिले की गाड़ियों तेल भरवाया गया था. खाद्य विभाग के अधिकारी ने डीजल में मिलावट की पुष्टि की है, जिसके बाद प्रशासन ने पेट्रोल पंप के खिलाफ एक्शन लिया.

रतलाम में सीएम के दौरे को देखते हुए प्रशासन को सीएम काफिले के लिए फौरी इंतजाम करना पड़ा. सीएम काफिले के लिए इंदौर से गाड़ियों का दूसरा रैक भेजा गया. मुख्यमंत्री मोहन आज रतलाम के पोलो ग्राउंड में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड इम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव 2025 में शिकरत करेंगे. सीएम के रतलाम दौरे को देखते हुए प्रशासन को काफिले के लिए फौरी इंतजाम करना पड़ा. सीएम काफिले के लिए इंदौर से गाड़ियों का दूसरा रैक भेजा गया. मुख्यमंत्री मोहन आज रतलाम के पोलो ग्राउंड में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री स्किल

एड इम्पलॉयमेंट कॉन्क्लेव 2025 में शिकरत करेंगे

मिलावटी डीजल से सीएम के काफिले की बंद पड़ी गाड़ियों पर पेट्रोल पंप पर तैनात सेल्स ऑफिसर बगले झांकता नजर आया. उसने कहा कि बयान देने के लिए वो अधिकृत नहीं हूं, जबकि खाद्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि डीजल में पानी की मात्रा पाई गई और इसी बिंदू पर जांच किया जा रहा है. खाद्य अधिकारी ने कहा पेट्रोल पंप के डीजल में पानी की मिलावट की मात्रा कितनी है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, हम स्टॉक चेक कर रहे हैं और रिपोर्ट बनाकर रतलाम कलेक्टर को सौपेंगे. फिलहाल, पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया है. तहसीलदार ने कहा, काफिले की गाड़ियों में डीजल डालने के दौरान पानी आया है, जिसकी जांच की जा रही है.

आज आई एस बी टी स्थित नगर निगम परिषद् सभागार में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव , प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा की उपस्थिति में 25 जून 1975 काला दिवस आपातकाल 50 वर्ष पूर्ण के अंतर्गत 卐युवा ससंद卐 कार्यक्रम में सम्मिलित हुए इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल, भाजपा युवा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार , राज्यसभा सासंद माया नारोलिया , महापौर मालती राय, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रदेश प्रवक्ता अधीश अग्रवाल , जनप्रतिनिधिगण, पदाधिकारीगण एवं युवा शक्ति जन उपस्थित रहे

पंचायत ने यह भी कहा कि सत हिरदाराम नगर में बिजली की डिवीजन आफिस जरूरी

विस्थापितों ने विधायक से कहा गुमराह कर 15 लाख जमा करवाई प्रीमियत राशि

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर के सिंधी विस्थापित परिवारों के प्रतिनिधि मण्डल ने यहां की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी के नेतृत्व में गुरूवार को विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात कर उन्हें बताया कि जब भी कोई प्लाट सरकार आवंटित करती है, तब प्रीमियम की राशि उसी समय जमा करवाई जाती है, जबकि भू-भाटक हर साल भरना होता है। जिन 500 विस्थापितों को 1988 में वन ट्री हिल्स पर भूखण्ड आवंटित किए गए थे, उनसे प्रीमियम राशि 9 सितम्बर 1988 में जमा करवा ली गई थी, बावजूद इसके 6 जून 2023 को कलेक्टर कार्यालय में विधायक की उपस्थिति में हुई बैठक में तत्कालीन एसडीएम ने गुमराह कर नव युवक एवं भारतीय सिंधु गृह निर्माण समिति से 15 लाख रूपए दूसरी बार

प्रीमियम जमा करवाया बावजूद इसके 2018 में खत्म हुई लीज का नवीनीकरण नहीं किया, जो विस्थापितों के साथ सराकर अन्याय है। प्रतिनिधि मण्डल जिसमें कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी, ईश्वरदास हिमथानी, वासुदेव वाधवानी, महासचिव सुरेश जसवानी, मण्डल भाजपा अध्यक्ष मनीष बागवानी, शेट्टी चंदनानी के अलावा नरेश केवलरामानी, नरेन्द्र लालवानी एवं बसंत चेलानी आदि मुख्य रूप से शामिल थे, विधायक रामेश्वर शर्मा को बताया कि पूर्व कलेक्टर तरूण कुमार पिथोड़े ने 13 अक्टूबर 2019 को प्रमुख सचिव राजस्व विभाग को राय दी थी कि वन ट्री हिल्स की जिन गृह निर्माण समितियों के माध्यम से 500 विस्थापितों को भूखण्ड आवंटित किए गए थे, चूंकि समितियां भंग हैं, ऐसे में पृथक पृथक लीज नवीनीकरण एवं नामांतरण किया जाना उचित होगा, लेकिन न तो नवीनीकरण हुआ है न ही नामांतरण।

रहवासियों को नहीं मिला मालिकाना हक

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत प्रतिनिधि मण्डल ने विधायक को बताया कि राजस्व विभाग के 9 जुलाई 1986 को समस्त कलेक्टरों को जारी परिपत्र में स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि भारत पाकिस्तान विभाजन के फलस्वरूप पश्चिमी पाकिस्तान से आए विस्थापित परिवारों के व्यवस्थापन के संबंध में राजस्व पुस्तक परिपत्र 4-1 की कंडिका 27 के अनुरूप भूमिक व्यवस्थापित किए जाने का निर्णय है।,

भोपाल में भी निकाली गई भगवान जगन्नाथ की यात्रा में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा समेत कई संत महात्मा एवं धर्मावलंबी हुए शामिल।

जगन्नाथ रथ यात्रा

जगन्नाथ रथ यात्रा एक ऐसा महापर्व है जो पूरे भारत में श्रद्धा और उत्साह का केंद्र है। उड़ीसा के पुरी शहर में इस अवसर पर लाखों श्रद्धालु इकट्ठा होते हैं। आषाढ़ माह की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलराम और बहन सुभद्रा संग रथ में सवार होकर अपनी मौसी गुंडिचा माता के मंदिर जाते हैं, जिसे उनका मासी का घर माना जाता है। वहां वे सात दिन विश्राम करते हैं और फिर लौटकर पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर आते हैं। कहा

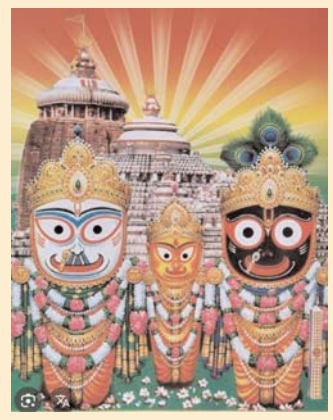

जाता है कि रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ 15 दिनों तक ज्वर से पीड़ित रहते हैं, इसलिए मंदिर के पट इस अवधि में बंद रहते हैं। जब वे स्वस्थ होते हैं तो अपनी मौसी के घर सैर करने रथ में सवार होकर जाते हैं। जब भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी माता गुंडिचा के मंदिर पहुंचते हैं, तो माता गुंडिचा उनका विशेष पकवानों से स्वागत करती हैं। इन व्यंजनों में खासतौर से पिठादो और रसगुल्ला शामिल होते हैं। भगवान जगन्नाथ जब अपनी मौसी माता गुंडिचा के पास पहुंचते हैं तो माता गुंडिचा माता उन्हें कई तरह के पकवानों को खिलाती हैं. जिसमें कि खासकर पिठादो और रसगुल्ला शामिल है. माना जाता है कि आज भी भगवान इस पिठादो और रसगुल्ला को खाकर बहुत प्रसन्न होते हैं. हर साल भगवान के पहुंचने पर इस मंदिर में कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं और भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया जाता है।

सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव : मंत्री कुशवाह

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाह ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। सामाजिक सहभागिता से ही नशा मुक्त समाज बनाया जा सकता है। मंत्री श्री कुशवाह 26 जून अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिरण विभाग के सभागार में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के राज्य स्तरीय समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री रेन्द्र मोदी द्वारा 2047 में भारत को विश्व गुरु बनाने का जो सपना देखा है, उसको साकार करने में नशा मुक्त भारत का निर्माण महत्वपूर्ण कड़ी होगा। प्रदेश सरकार, भारत सरकार के साथ हर स्तर पर नशा मुक्त समाज निर्माण के लिये जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्तिगत ही नहीं सामाजिक बुराई भी है। इसलिए बिना सामाजिक भागीदारी और सक्रियता के नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा एक जून से 26 जून 2025 तक नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें स्थानीय, जिला प्रशासन के साथ स्वयं सेवी संस्थाओं, संगठनों के माध्यम से स्कूल, कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। अभियान के अन्तर्गत पुलिस प्रशासन के माध्यम से वाहन चालकों जागरूकता अभियान, अनुभाग और जनपद स्तर सभाओं का आयोजन शपथ ग्रहण समारोह, स्कूल, महाविद्यालयों में नशामुक्ति का संदेश वाले संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

प्रमुख सचिव घुराज एम.आर. ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए जो भी लोग काम कर रहे हैं वह बधाई के पात्र है। यह समाज निर्माण का कार्य है उन्होंने कहा कि की घड़े में पानी तभी रुक सकता है जब उस घड़े के अंदर कोई छेद ना हो। इसी तरह से स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है तो उसमें नशा रूपी कोई छेद न हो। उप सचिव सुश्री अंकिता धाकरे ने 1 जून से 26 जून 2025 तक चलाए गये नशा मुक्ति अभियान का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया तथा नशा न करें की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर डीआईजी म.प्र. पुलिस नारकोटिक्स विंग संजीव कंचन, डॉ. नलिनी गौड़ सहित अन्य गणमान्य नागरिक विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा मॉडल

भोपाल। वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन के कार्य में देश में मध्यप्रदेश मॉडल बनकर उभर रहा है। प्रदेश में वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 15003 वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। पहले स्तर पर वक्फ बोर्ड द्वारा डिजिटलाइजेशन के कार्य का वेरिफिकेशन कर लिया गया है। दूसरे स्तर पर राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। अब तक कुल डिजिटलाइजेशन सम्पत्तियों में से 2425 सम्पत्तियों का वेरिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। प्रदेश में सर्वाधिक वक्फ सम्पत्तियों वाले 11 जिलों में कुल वक्फ सम्पत्तियों और डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि उज्जैन, विदिशा, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, बुरहानपुर, देवास और मंदसौर जिलों की सभी वक्फ सम्पत्तियों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। इनमें उज्जैन जिले की 1054, विदिशा जिले की 929, भोपाल जिले की 816, शाजापुर की 801, सीहोर की 699, रायसेन की 665, इंदौर की 645, धार की 638, बुरहानपुर की 573, देवास की 572 और मंदसौर जिले की 528 वक्फ सम्पत्तियाँ शामिल हैं। मध्यप्रदेश में केन्द्र सरकार की अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के लिये संचालित प्रधानमंत्री जन-विकास कार्यक्रम की सभी 7 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बताया कि अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में प्रगतिरत परियोजनाओं में श्योपुर में 269 लाख लागत की सदभावना मण्डप परियोजना का कार्य 45 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है।

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल का सत्र 2024-25 का समापन कार्यक्रम हुआ

भोपाल। रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल का कार्यकारणी का कार्यकाल 30 जून 2025 को समाप्त हो रहा है। इस सत्र का अंतिम रंगारंग कार्यक्रम होटल विशिष्ट इन में आयोजित किया गया अध्यक्ष मनोज झा ने वर्ष भर पीड़ित मानवता की सेवा के प्रकल्पों में व्हील चेयर प्रोजेक्ट वृक्षारोपण,चिकित्सा शिविर एवं गरीब छात्रों की मदद में सदस्यों के योगदान पर आभार प्रदर्शित किया इस वर्ष में क्लब स्थापना के 50 वर्ष हो रहे है इसलिए आगामी सत्र स्वर्णजयंती होगा जिसके अध्यक्ष विश्वास घुसे पर भारी जिम्मेदारी हैं उनको शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने गीत संगीत का आनंद लिया।

असाध्य रोगों के उपचार के लिए संस्कार विद्यालय में लगा शिविर

संत हिरदाराम नगर। दीपमाला पागारानी संस्कार स्कूल में डॉ राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान, हनुमान गढ़ राजस्थान द्वारा असाध्य रोगों के उपचार के लिए पाँच दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया जिसका समापन 27 जून को होगा। शिविर में डॉ. एस. एस. लोहिया, डॉ. सचिन लोहिया, डॉ. भवानी सिंह, डॉ, हिमांशु लोहिया अपनी सेवाएं देने के लिए उपस्थित थे। शिविर में गर्दन दर्द, सर्वाइकल, स्पोन्डोलाईसिस, चक्कर आना, हाथों में सुन्नपन रहना, सिरदर्द रहना, कमर दर्द, स्लिप डिस्क, पैरों का सुन्नपन, साईटिका आदि रोगो का निवारण किया जा रहा है इसके साथ घुटने का दर्द, चलने में तकलीफ होना घुटनों में आवाज आना, सिढ़ियाँ नहीं चढ़ पाना, शुगर, पेट के रोग आदि बिमारियों का ईलाज एक्यूप्रेशर कपिंग थैरेपी, सुजोग थैरेपी, वाईब्रेशन से किया जाता है। शिविर में संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सह सचिव नरेश वासवानी, दिनेश वाधवानी, मोहन लालवानी, कमल प्रेमचन्दानी सहित नगर के कई गणमान्य नागरिकों ने शिविर का लाभ उठाया। आगामी शिविर

सेना ने बाढ़ राहत एवं खोज-बचाव को लेकर किया ड्रिल का आयोजन

खानूगांव स्थित 3 ईएमई प्रशिक्षण केन्द बड़ा तालाब पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और गृह विभागने की संयुक्त भागीदारी

भोपाल। भारतीय सेना के मुख्यालय पश्चिम मध्यप्रदेश सब एरिया, भोपाल द्वारा दिनांक 27 जून 2025 को प्रातः 10.45 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक खानूगाँव स्थित 3 EME प्रशिक्षण केन्द बड़ा तालाब पर बाढ़ राहत एवं खोज-बचाव से संबंधित एक व्यापक अभ्यास (ड्रिल) एवं उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF), राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) तथा गृह विभाग के समन्वय से संयुक्त रूप से भागीदारी की जा रही है।कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना, बचाव एवं राहत कार्यों में दक्षता को बढ़ाना तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच सहयोग और तालमेल को सुदृढ़ करना है। इस संयुक्त अभ्यास में बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए राहत, खोज और बचाव कार्यों की वास्तविक परिस्थितियों में प्रदर्शन किया जाएगा

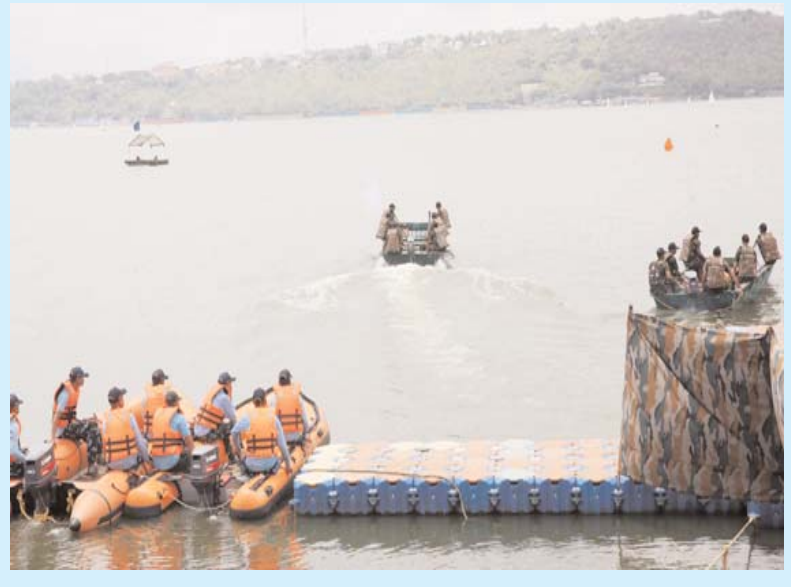

त्यौहारों पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें - सजग और संवेदनशील रहें अधिकारी

वीडियो कॉन्फ्रेंस से कलेक्टर्स सहित अधिकारियों को दिए निर्देश

वर्षाकाल से जुड़ी दिक्कतों का समाधान तत्परता पूर्वक करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले दो माह के प्रमुख त्यौहारों पर धार्मिक स्थानों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। नागरिकों के हित में प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशील और सजग होकर दायित्व पूरा करें। वर्षाकाल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाए। किसानों के लिए खाद और बीज की समुचित व्यवस्था रहे। नए शिक्षण सत्र के प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को समत्व भवन,मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों ,क्लेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि इस माह 28 जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। वर्षाकाल में आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्रदेश में एक से 26 जून तक हुई वर्षा 37 प्रतिशत अधिक है। अलीराजपुर और नीमच जिलों में सर्वाधिक वर्षा हुई है। अधिक वर्षा के अनुमान को देखते हुए रपटे और पुल आदि जहां पानी ऊपर से बह रहा है वहां बेरीकेड्स लगाए जाएं। नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। वर्षाकाल में नाले और नालियां समस्या बन रहे हों तो तत्परतापूर्वक समाधान का कार्य किया जाए। बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में मुनादी, वाट्सएप, दूरभाष आदि का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना पहुंचाई जाए। इस संबंध में संवेदनशील होकर समय पर सभी दायित्व अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पूरे किए जाएं। अतिवृष्टि से नागरिकों के बचाव के लिए होमगार्ड और अन्य आपदा राहत दल सक्रिय रहें। जिलों में बोट्स की भी आवश्यक व्यवस्था रहे।

सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि वर्तमान में सर्पदंश से नागरिकों को बचाने की जो व्यवस्थाएं हैं, उनका विस्तार करते हुए पंचायतों और थानों के स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। सर्पदंश से बचाव और उपचार का प्रशिक्षण देने की प्रदेश में शुरूआत हुई है, जो सराहनीय है। इस कार्य को निरंतर किया जाए। संभव हो तो कालबेलिया समुदाय के युवाओं को भी इस कार्य में अधिक दक्ष बनाकर उनकी सेवाएं ली जाएं। इन प्रयासों से वर्षाकाल में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं से नागरिकों को बेहतर तरीके से बचाया जा सकता है।

कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति मजबूत रहे। सामान्य घटनाओं पर भी अनावश्यक मुद्दा बनाने और जिन प्रकरणों में कार्यवाही हो गई है उनको लेकर विवाद की स्थिति निर्मित करने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। प्रदेश में नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अच्छा हुआ है, इसके लिए सुरक्षा बल और उनके जवान बधाई के पात्र हैं।

श्रावण मास में सवारियों और यात्राओं के लिए करें जरूरी व्यवस्थाएं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीडियो कांफ्रेंस में कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि आगामी दो महीनों में विभिन्न त्यौहारों पर जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। ओंकरेश्वर, उज्जैन और मंदसौर में श्रावण मास में सवारियों और कावड़ यात्रियों के आवागमन को देखते हुए जरूरी प्रबंध किए जाएं। जनजातीय कलाकारों और पुलिस बैंड के माध्यम से कार्यक्रमों को आकर्षक बनाया जाए। गत वर्ष इस नवाचार को आमजनता ने भी सराहा था इस वर्ष भी ऐसी ही व्यवस्था कीजाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण खाद, उर्वरक और बीज की व्यवस्था और आपूर्ति रखी जाए। इन वस्तुओं की किसी भी स्थिति में कालाबाजारी नहीं होना चाहिए। दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर्स यह देखें कि इस कार्य में लापरवाही न हो। किसी दुकान विशेष से महंगी दर पर कापी-किताब खरीदने को विवश न किया जाए। शीघ्र ही सांदीपनि विद्यालियों सहित अन्य विद्यालयों के लिए निर्मित नए कक्षों और सुविधाओं को लोकार्पित कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए। यह कार्य मिशन मोड पर किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव ने जानकारी दी कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लगभग 85 प्रतिशत नामांकन हुए हैं। शत-प्रतिशत नामांकन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि राजमार्गों और शहरों में सड़कों पर विचरण करने वाली गायों को दुर्घटनाओं से बचाने के लिए गौशालाओं तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। बड़ी गौशालाओं में व्यवस्था आसान है। अन्य गौशालाओं में भी अनुदान राशि बढ़ाई गई है। पशुपालक स्वयं भी गायों को सड़क पर न आने दें। सूखे स्थान की भी व्यवस्था की जाए जिससे गायें वहां बैठ सकें। प्रशासन द्वारा पशुपालकों को गौ-शालाओं की व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम एवं समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाए।

54 विभागों के एसीएस, पीएस, सचिव और एचओडी ने समझी पदोन्नति देने की प्रक्रिया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन और सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने गुरुवार को मंत्रालय में सभी 54 प्रमुख विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव और विभागाध्यक्षों को बताया कि नये पदोन्नति नियमों के तहत किस तरह विभागों में पदोन्नति दी जाना है। पदोन्नति के क्या-क्या प्रावधान है, पदोन्नति कैसे दी जाना है, नियमों का पालन किस तरह करना है यह सब उन्हें बताया गया। इस विचार-विमर्श के बाद एक महीने के भीतर मध्यप्रदेश में सरकारी महकमों में पदोन्नति मिलना शुरु हो जाएगी। मंत्रालय में अपर, उप और अवर सचिव सहित सेक्शन ऑफिसर के पदों तथा वर्कर्स डिपार्टमेंट में लोक निर्माण, जलसंसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभागों में ईएनसी,चीफ इंजीनियर, और एसई के पद तक पदोन्नति नहीं मिलेगी। क्योंकि लोक निर्माण विभाग में सभी एसई आरक्षित वर्ग से है, यहीं वष्ठिता के आधार पर ईएनसी के सात और चीफ इंजीनियर के 20 पदों पर प्रभार में कार्यरत है। नए पदोन्नति नियमों के हिसाब से यही अफसर डीपीसी के बाद नियमित किए जाएंगे। मंत्रालय में पदोन्नति के लिए अपर सचिव के तीन, उपसचिव के 14 और अवर सचिव के 65 पद आरक्षित वर्ग से भरे जाएंगे। जिस फीडर कैडर से पदोन्नति होना है उनमें 2002 के पदोन्नति नियमों के हिसाब से 2016 तक पदोन्नति पा चुके कर्मचारियों में आरक्षित वर्ग से है। फीडर याने सेक्शन आफिसर और अवर सचिव के जो पद भरे है वे उन पर कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी आरक्षित वर्ग से है यही आगे नये पदोन्नति नियमों के हिसाब सेभरे जाएंगे। अनारक्षित वर्ग के कर्मचारियों को प्रमोशन में सिर्फ सहायक ग्रेड तीन का प्रमोशन सहायक ग्रेड दो के पद पर ही हो पाएगा। नये नियमों के तहत आरक्षित वर्ग के कर्मचारी को बोनस अंक प्रमोशन मे केवल एक तक सीमित कर दिया गया है पहले यह असीमित था। आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को प्रमोशन में वरीयता दी जाती रही है यदि उच्च पद पर 36 प्रतिशत पद आरक्षित वर्ग से भरे तो प्रमोशन में अनारक्षित वर्ग को मौका दिया जाएगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति को यह अधिकार होंगे कि एसटी के पदों पर बीस एक्स और एससी के पदों पर 16 वाई में आगे जोंने वाली डीपीसी में यदि एससी और एसटी के दस प्रतिशत पद भर जाते है तो उसे घटाकर पांच प्रतिशत कर सकते है। इसका फायदा सामान्य अफसरों को मिलेगा। नये पदोन्नति नियम 2025 से लागू किए जा रहे है। इसके चलते 2016 से 2025 के बीच के अधिकारियों के कार्यकाल में प्रमोशन का फायदा नहीं मिलेगा। 2016 में भर्ती हुए अफसरों को 2025 में पदोन्नति मिलेगी। इससे वे नये भर्ती अफसरों के समकक्ष हो जाएंगे। इसमें डॉक्टर, इंजीनियर, सब इंस्पेक्टर, नायब तहसीलदार, सहायक संचालक, खाद्य निरीक्षक, सब इंस्पेक्टर समेत पचास हजार से अधिक अधिकारी प्रभावित होंगे।

किसानों को मिलेगा एक्सपोर्ट में बड़ा मौका, मसालों और हैंडीक्राफ्ट पर फोकस: विश्वास सारंग

राज्य सहकारी संघ और मंडी बोर्ड ने एनसीईएल के साथ किया एमओयू, किसानों को मिलेगा वैश्विक बाजार तक सीधा लाभ

भोपाल। मध्यप्रदेश के मसाला उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राज्य सहकारी संघ और मंडी बोर्ड ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (ह्रष्टश्वरु), नई दिल्ली के साथ एमओयू साइन कर लिया है। इस पहल से अब मिर्च, लहसुन, धनिया जैसे मसालों और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों को सीधे वैश्विक बाजार में ले जाया जाएगा, जिससे किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर दाम मिल सकेगा। यह एमओयू राज्य स्तरीय कार्यशाला के दौरान नगरीय विकास एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की मौजूदगी में हुआ। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में नगरीय विकास एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग और अध्यक्षता कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने की। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य किसानों को निर्यात के लिए सक्षम बनाना तथा मसालों और हैंडीक्राफ्ट जैसे स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में पहचान दिलाना था। इस दौरान नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (ह्रष्टश्वरु), राज्य सहकारी संघ और मंडी बोर्ड के बीच महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यशाला में विशेष रूप से मिर्च, लहसुन, धनिया, गेहूं और कपास जैसे पांच प्रमुख फोकस उत्पादों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ÷मध्यप्रदेश के किसानों को निर्यात के लिये सक्षम बनाना÷ विषय पर आधारित इस आयोजन में निर्यात, प्रशिक्षण, वैल्यू एडिशन और लॉजिस्टिक जैसे पहलुओं पर चर्चा की गई।मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा, ाष्टीय स्तर पर कोऑपरेटिव सेक्टर में निर्यात की गतिविधि बढ़ाने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड का गठन किया गया है। इस एमओयू से मध्यप्रदेश के किसानों को अब उनके उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ÷हमने पहले 5 प्रमुख उत्पाद चिन्हित किए हैं, जिनमें मसाले और कपास शामिल हैं। हम इनके वैल्यू एडिशन, ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक चैन डेवलपमेंट पर काम करेंगे। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में देश में नंबर वन बने।÷ साथ ही कहा, ÷एनसीईएल और राज्य संघ मिलकर किसानों को नया प्लेटफार्म देंगे, जिससे वे अपने उत्पाद निर्यात कर पाएंगे। इससे किसानों को फसल का मजबूत दाम मिलेगा और सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी।÷

संपादकीय

सीज फायर, पर इजरायल ईरान युद्ध हुआ ही क्यों था?

इजरायल-ईरान युद्ध सीज फायर हो गया पर अब यह यक्ष-प्रश्न सामने है कि इजरायल-ईरान युद्ध क्यों हुआ था? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान की खामेनेई हुकूमत बदलना चाहते थे, लगातार हुंकारें भी भर रहे थे, लेकिन युद्धविराम कराते हुए और उसके बाद उनका कहना है कि सत्ता-परिवर्तन से अराजकता फैलती है, लिहाजा यह फैसला हम ईरानी अवाम पर छोड़ते हैं। क्या इस असमंजस के कारण ही युद्ध कराया गया था? अमरीका और इजरायल दोनों ही ईरान की परमाणु क्षमता नष्ट करना चाहते थे, ताकि ईरान परमाणु बम न बना सके। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को लेकर कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। ईरान ने खुद को आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) से अलग कर लिया है। अब न तो किसी निगरानी कैमरों, न नियमित रपट और न ही परमाणु ठिकानों के निरीक्षण की अनुमति ईरान आईएईए को देगा। युद्धविराम के बाद भी ईरान की तरफ से बयान दिए गए हैं कि उनका परमाणु कार्यक्रम जारी रहेगा। युद्ध में ईरान का सबसे अहम और संवेदनशील नुकसान यह हुआ है कि इजरायल की सेना ने उसके 17 परमाणु वैज्ञानिक मार दिए हैं। यह क्षतिपूर्ति बेहद मुश्किल है। सवाल है कि ईरान का लेशमात्र परमाणु कार्यक्रम अस्तित्व में है, तो अमरीका और इजरायल ने अपने लक्ष्य हासिल कैसे किए? यदि लक्ष्य अधूरे रह गए, तो फिर युद्ध क्यों लड़ा गया था? इजरायल को युद्ध के कारण 1200 करोड़ डॉलर का घाटा उठाना पड़ा। करीब 60,000 छोटी-बड़ी कंपनियां इजरायल छोड़ कर चली गईं। उसे 1.9 अरब डॉलर का औद्योगिक नुकसान हुआ और 4.2 अरब डॉलर का बुनियादी ढांचा खंडहर हो गया। ईरान ने उसके तेल अवीव के सैन्य अड्डों, एयरबेस और दर्जनों इमारतों को तबाह कर दिया। ईरान की जीडीपी पर करीब 9.6 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान सामने आया है। क्या इस आर्थिक तबाही के लिए ही युद्ध लड़ा गया था? युद्धविराम के बाद मध्य-पूर्व की शांति और स्थिरता बेहद जरूरी है। गाजा में अब भी घेराबंदी, हमले और हत्याएं हैं। करीब 60,000 मौतें हो चुकी हैं, जिनमें बच्चों की संख्या भी काफी है। गाजा पर अमरीका और इजरायल कब्जा कर लेना चाहते हैं। मध्य-पूर्व और आसपास के देशों पर ही दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक मोटा हिस्सा आश्रित है। लाखों भारतीय भी इन देशों में काम करते हैं। यदि ईरान की डांवाडोल स्थिति के कारण सीरिया, लीबिया, लेबनान, इराक आदि देशों में भी हालात नहीं सुधरते हैं, तो उससे आतंकवाद और क्षेत्रीय उग्रवाद का विस्तार होगा। उनसे अन्य खाड़ी देशों की आंतरिक सुरक्षा प्रभावित होगी। आतंकवाद की 'काली छाया' भारत तक भी आ सकती है।

यादों में आपातकाल

राहुकाल से लोकतंत्र के निकलने की शेषकथा!

जयराम शुक्ल

चाटुकारिता भी कभी-कभी इतिहास में सम्मान योग्य बन जाती है। आपातकाल के उत्तरार्ध में यही हुआ। पूरे देश भर से चाटुकार काँग्रेसियों और गुलाम सरकारी मशीनरी ने इंदिरा गांधी को जब यह फीडबैक दिया कि आपकी लोकप्रियता चरम पर है, जनता आपको अपना भाग्यविधाता मानने लगी है तब इंदिरा गांधी का मानस बना कि क्यों न लगे हाथ आम चुनाव करवा लिए जाए.। वे संजय गांधी के हठ के बावजूद वे चुनाव करवाने के फैसले पर डटी रहीं। यदि वे संजयगांधी के चुनाव न करवाने व इमरजेन्सी जारी रखने की राय को मान लेतीं तो संभवतः आज भी हम हिटलरी युग में जी रहे होते। पत्रकार कुलदीप नैय्यर ने अपनी किताब ÷द जजमेंट÷ के लिए एक इंटरव्यू में संजय गांधी ने बेबाकी से ये बातें कहीं थी। यद्यपि नैय्यर उस इंटरव्यू के अंश ÷द जजमेंट÷ की बजाय ÷बियांड द लाइंस÷ में छापे हैं।

कुलदीप नैय्यर लिखते हैं- इमरजेंसी पर मैं एक किताब लिख रहा था, एक दिन कमलनाथ मुझसे मिले उन्होंने कहा कि संजय गांधी से मिले बिना इमरजेन्सी के बारे में कैसे लिख सकता था। कमलनाथ मुझे 1 सफदरजंग ले गए और संजय से अकेले में मुलाकात कराई। उन्होंने मुझसे पहले जनता पार्टी के भविष्य के बारे में बात की फिर इमरजेन्सी को लेकर बातें हुईं। नैय्यर की ÷बियांड द लाइंस÷ में इंटरव्यू का सार संक्षेप जस का तस कुछ यूँ है-

मेरा पहला प्रश्न यह था कि उन्हें इतना भरोसा क्यों था कि उन्हें इमरजेन्सी, अधिकारवादी सत्ता और इनसे जुड़ी ज्यादतियों का फल नहीं भुगतना पड़ेगा?

संजय गांधी ने जवाब दिया- उन्हें कोई चुनौती दिखाई नहीं दे रही थी। वे 20-25 या इससे भी ज्यादा वर्षों तक इमरजेन्सी को जारी रख सकते थे, जब तक कि उन्हें भरोसा न हो जाता कि लोगों के सोचने का तरीका बदल गया है।

मैंने नहीं करवाए÷ उन्होंने कहा। वे शुरू से इसके खिलाफ थे। लेकिन उनकी माँ नहीं मानी। ÷आप उन्हीं से पूछिए÷ उन्होंने कहा।

संविधान और मौलिक अधिकारों को देखते हुए इस तरह की व्यवस्था कैसे चल सकती थी? मैंने संजय से पूछा। उन्होंने कहा इमरजेन्सी हटाई ही न जाती और मौलिक अधिकार स्थगित ही रहते।÷

नैय्यर ÷बियांड द लाइंस÷ में लिखते हैं -इंदिरा गांधी इस आधिकारिक खुफिया रिपोर्ट से प्रभावित थीं कि उनकी लोकप्रियता अपने चरम पर है। संजय गांधी ने जब सुना कि वे चुनाव करवाने की सोच रहीं हैं तो वे आगबबूला हो गए। वे आने वाले कई वर्षों तक चुनाव नहीं चाहते थे। माँ बेटे के बीच इस विषय को लेकर काफी गरमागरमी भी हुई लेकिन इंदिरा तो इंदिरा थीं, जो ठान लिया सो किया। संजय गांधी ढीले पड़ गए। नैय्यर लिखते हैं -चुनाव कराने की जो भी बाध्यताएं रही हों, लेकिन इस बात की स्वीकृति थी कि कोई भी व्यवस्था लोगों की सहमति और प्रोत्साहन के बिना नहीं चल सकती थी।

संजय गांधी सत्ता के समानांतर केंद्र नहीं बल्कि धुरी बन चुके थे इसलिए वे समय-समय पर यह अहसास दिलाने से नहीं चूकते थे कि पीएमओ उनके इशारे पर चलता है। पीएन हस्कर पीएमओ में सचिव व एएन धर प्रमुख सचिव थे। ये दोनों ही जब संजय के प्रभाव में नहीं आए तो इन्हें सबक सिखाया गया। हस्कर को न सिर्फ पीएमओ से दफा करवा दिया अपितु उनके रिश्तेदारों के यहां छापे भी डलवाए।

राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर लगाम कसने का काम यशपाल कपूर का था, जो इंदिरा जी के ओएसडी थे। कुलमिलाकर संजय गांधी, विद्याचरण शुक्ल, बंशीलाल, ओम मेहता, आरके धवन और यशपाल कपूर ही देश के नियंता थे, और मोहम्मद यूनुस इंदिराजी के एम्बसडर एट लार्ज जो इंदिरा जी के निजी दुश्मनों की खबर रखा करते थे। कैबिनेट के अन्य सदस्य इस कदर भयभीत थे मानों बस उनकी गिरफ्तारी होने ही वाली है। अस्सी साल के बुजुर्ग उमाशंकर दीक्षित अपमानित कर कैबिनेट से निकाले जा चुके थे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पीसी सेठी पर किसी बात को लेकर संजय गांधी का नजला गिरा, उन्हें रातोंरात हटाकर श्यामाचरण शुक्ल को मुख्यमंत्री बना दिया गया।

इमरजेंसी का डर कांग्रेस के भीतर भी गहराई से बैठ गया था। सबके सब संजय गांधी से डरे और सहमें हुए थे उन्हें यह मालुम था कि इंदिरा गांधी संजय के सामने विवश हो चुकी हैं।

पिछले दिनों राजनीति से ज्यूडीशियरी के प्रभावित होने की तल्ख बहस व चर्चाएं गूँजती रहीं। सुप्रीम कोर्ट के चार जजों की ऐतिहासिक प्रेस कान्फ्रेंस हुई। कांग्रेस ने सीजेआई दीपक मिश्र के खिलाफ महाभियोग की मुहिम चलाई। राजनीतिक गलियारों में राजनीतिक सहूलियत के हिसाब से जजों की नियुक्ति और पदोन्नति की भी अनुमानित खबरें चर्चाएं भी चलती रहीं। इनके बरक्स इतिहास के पन्ने पलटें तो पता चलेगा इमरजेंसी काल में तो लगभग समूची ज्यूडीशियरी ही बंधक बनी हुई थी। तबादले, नियुक्तियों और पदोन्नतियों का ऐसा भी कुत्सित खेल हुआ यह जानने के लिए बीती बातों को सामने लाना और भी जरूरी हो जाता है।12जून 1975 को इलाहाबाद के हाईकोर्ट जगमोहनलाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के निर्वाचन के खिलाफ फैसला दिया था। अपील की मियाद 15 दिन की रखी। कुलदीप नैय्यर अपनी किताब में लिखते हैं -फैसले के कई महीनों बाद जब मैं जस्टिस सिन्हा से मिला तो उन्होंने बताया कि एक कांग्रेस के सांसद ने इंदिरा गांधी के पक्ष में फैसला देने के लिए रिश्वत की पेशकश की थी। इसी तरह न्यायालय के एक सहकर्मी ने भी उन्हें उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनाने का प्रलोभन दिया था।

इमरजेंसी के दरम्यान जस्टिस सिन्हा किस यातना से गुजरे ये तो एक अलग कहानी है लेकिन खुद को इंदिरा गांधी का वफादार साबित करने के लिए दिल्ली के एक स्थानीय वकील वीएन खेर ने खुद ही सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर कर दी, इसी अपील को स्वीकार करते हुए जस्टिस कृष्णा अय्यर ने स्टे दे दिया। बाद में खेर साहब के ऐसे भाग्य खुले कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद तक पहुंच गए।

इमरजेंसी की वैधता का सवाल भी सुप्रीम कोर्ट में आया। सीजेआई एएन रे ने एक पीठ गठित कर उसे यह मामला सौंपा। इस पीठ में एचआर खन्ना, एमएच बेग, वायबी चंद्रचूड़ और पीएन भगवती थे। खन्ना को छोड़ सभी ने इंदिरा गांधी द्वारा लगाई गई इमरजेन्सी के पक्ष में अपने मत दिए। बाद में परिणाम यह हुआ कि एचआर खन्ना को सुपरसीड कर बेग को मुख्यन्यायाधीश बनाया गया। अन्य भी बारी-बारी से देश के प्रधान न्यायाधीश बने।

इमरजेन्सी में लोकतांत्रिक संस्थाओं की जैसी गति बनाई गई और जिस पार्टी की स्वेच्छाचारी सरकार ने ऐसा किया कम-अज-कम उसका हक तो नहीं ही बनता कि वह सुचिता की दुहाई दे। इमरजेन्सी के कंलक के काले धब्बे इतने गहरे हैं कि भारत में जबतक लोकतंत्र जिंदा बचा रहेगा तबतक वे काले धब्बे बिजुरके की भाँति टँगे दिखाई देते रहेंगे। इमरजेंसी वाकय दूसरी गुलामी थी, इसकी दास्तान को जीवंत बनाए रखना इसलिए भी जरूरी है जिससे आने वाली सरकारों को कभी ऐसा कदम उठाने की हिम्मत न पड़े।

(समाप्त)

भारतीय गगनयान

राकेश दुबे

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है।

ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी।

गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके।

इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी। साथ ही यह जानने की कोशिश होगी कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण शून्य होने पर पौधे कैसे उगते हैं। साथ ही इन पौधों में धरती के पौधों से इतर कई विशेषताएं होंगी। दरअसल, इस मिशन के दौरान साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किये जाने हैं। भारत के वैज्ञानिकों ने सात प्रयोगों का सुझाव दिया है। भारत पहली बार एस्ट्रो-बायोलॉजी के प्रयोग करेगा। जिसमें इसरो व नासा की भी भागीदारी होगी।

तुम नहीं समझोगे... बाजार में मुरारीलाल

श्रीकांत आप्टे

एक है मुरारीलाल। उम्र यही पचास के लगभग। पच्चीस साल पुरानी बीबी के साथ पच्चीस साल से उसी मकान में रहता है जो बाप मरते समय उसके नाम छोड़ गये थे। मकान हमारे मोहल्ले में है। बरसात में दीवारों में नमी आ जाती है,छत टपकती है फिर भी मियां-बीबी खुश रहते हैं कि सिर पर छत तो है सो भी हाउसिंग लोन लिए बिना। दोनों को एक बेटा और एक बेटी है। बेटा जवान हो चुका है और बेटी जवान हो रही है। बेटा- बेटी दोनों मुंह बिचकाकर कहते हैं आप दोनों पता नहीं कैसे इस खंडहर को घर कहते हो। तुम नहीं समझोगे पुश्तैनी प्रॉपर्टी की कीमत, मुरारीलाल कहता है बच्चों से। बाज़ार में आने वाली हर लेटेस्ट चीज़ पर नज़र रखने वाले बच्चे उपहास करते हैं। कहते हैं मरने से पहले इसे बेच देना। हमारे लिए यह सिरदर्द मत छोड़ जाना। बच्चों की ऐसी बात से दुख तो होता है मुरारीलाल और उसकी बीबी को पर कहते कुछ नहीं।

मुरारीलाल और उसकी बीबी पुराने घर, पुराने स्कूटर, पुराने सोफे और पलंगो से ही खुश हैं। दिवाली पर नये सोफा और कुशन कवर चढ़ा दो तो एकदम नये सा दिखता है। पलंग रिपेयर और पॉलिश होकर नया लगता है तो नया पलंग खरीदने की जरूरत क्या है ?मियां-बीबी दोनों खुश रहते हैं लोन और उसकी किश्तों के मकड़जाल से तो बचे हुए हैं। स्कूटर पुराना हो गया है लेकिन दांये-बायें लिटाकर, दो-चार किक मारने से स्टार्ट हो जाता है। दफ़्तर पहुंचा देता है। श्रीमती मुरारीलाल ठाठ से स्कूटर पर बैठकर पति के साथ हाट,बाज़ार जाती हैं। मुरारीलाल और उसकी बीबी कंजूस नहीं हैं। बस अपनी चादर देखकर पांव पसारने की बुजुर्गों ने दी सलाह पर चलते हैं। बेटे-बेटी को जब यह सलाह बताते हैं तो दोनों व्यंग्य से हंसने लगते हैं।

घर के ये दो युवा प्राणि, मां-बाप को खब्ती समझते हैं। ÷खब्ती ही हैं वरना आज के जमाने में कौन पुरानी चीज़ों को इस तरह बंदरिया के बच्चे सा सीने से चिपटाये रहता है? कौन बचत से चीज़ें खरीदता है आजकल? लोन है, ईएमआई हैं, क्रेडिट कार्ड हैं।÷ यही ख्याल है दोनों बच्चों का मां-बाप के बारे में।

मुरारीलाल बदलने को तैयार ही नहीं। इसका मतलब यह नहीं कि मुरारीलाल का शहर भी नहीं बदला। शहर की कौन कहे जब सारा देश ही तेजी से बदल रहा है और बदलता ही जा रहा है। देखते-देखते समूचा देश बाज़ार हो गया है। शहर में दो-तीन मॉल, डी मार्ट, बिग बाज़ार, और न जाने कौन-कौन से मार्ट और बाज़ार उग आये हैं।मुरारीलाल का शहर भी तो इसी देश में है। इसके देश होने में भी अब शक होता है क्योंकि जिधर नज़र घुमाओ उधर ही बाज़ार है। मुरारीलाल वहीं बहुत पीछे कहीं छूट गया है।

इस बाज़ार को वह पहचानता ही नहीं। इस बाज़ार में उधार देने के लिए बहुत से उधार बैठे हैं। देश के हर महानगर, शहर,कस्बे, गांव, गली और नुक्कडों पर होर्डिंग्स लगाए वो मिलते हैं। सब अपनी-अपनी स्कीमें लिए हैं। कहते हैं पैसों की चिंता न करें। हम हैं न आपकी सेवा के लिए। आसान शर्तों पर कर्ज़, आसान ईएमआई, ब्याज ज़ीरो पर्सेंट।टीवी ,फ्रीज़,माइक्रोवेव,वाशिंग मशीन, म्यूज़िक सिस्टम, आईफोन, आपको जो चाहिए वह सब कुछ है सर। कार, मोटरबाइक , स्कूटर के लिए भी लोन की स्कीमें हैं। एक्सचेंज ऑफर भी है। बाज़ार, बाज़ार नहीं अलादीन है जिसके पास जिन्न है। अलादीन को बोलो और जिन्न हाजिर, जो हुक्म मेरे आका और आपने जो भी चाहा हाजिर कर देगा।

यह सब देखकर मुरारीलाल का सिर चकरघिन्नी हो जाता है। एक दिन सामान की लिस्ट और झोला ले मुरारीलाल बाज़ार जाने निकल रहा था उसी समय बेटा घर में घुस रहा था। बेटे ने पूछ लिया, कहां जा रहे हैं पॉप? आजकल वह पॉप और बीबी मॉम हो गये हैं। बेटा बोला, सामान घर डिलीवर हो जाएगा बाज़ार जाने की जरूरत नहीं। बाज़ार ही घर की चौखट पर आ पहुंचा। फर्क ही मिटा दिया बाज़ार ने घर और बाज़ार में।

बीबी और बेटी के साथ बेटी को कपड़े दिलवाने बाज़ार गया। पेमेंट के लिए पर्स से रुपये निकाल रहा था तो बेटी बोली डेबिट कार्ड है तो आपके पास। दुकानदार और एक कदम आगे। बोला, क्रेडिट कार्ड होता तो बेबी वो दो और खरीद लेती जो उनको पसंद आ गये हैं।क्रेडिट कार्ड बढ़िया सुविधा है सर। माल आज, भुगतान एक महिने बाद सो भी बिना ब्याज का।

मुरारीलाल मन ही मन हंसा कि वाह रे! बाज़ार, गैर जरूरी सामान खरीदवाने के कैसे-कैसे नायाब तरीके खोज निकाले हैं।

बाज़ार को मुरारीलाल के बारे में वह सब पता है जो खुद मुरारीलाल को भी नहीं पता। मुरारीलाल को पता ही नहीं कि उसका भी कोई स्टेटस है। लेकिन जो बाज़ार सजाकर बैठे हैं वे मुरारीलाल को समझाते हैं कि आपका भी ऊंचा स्टेटस है और मकान स्टेटस को मैच करता ही अच्छा लगता है। पति के ऊंचे स्टेटस की बात सुन पत्नी को भी बाज़ार पर प्यार आने लगा है।

अखबार में रोज ही बिल्डरों और उनके प्रोजेक्टस् के चिकने रंगीन कागजों पर छपे सुंदर घरों के विज्ञापन देखकर पत्नी में भी नया मकान खरीदने की इच्छा जाग गई है। कहती है नये घर के लिए सब नया खरीदेंगे। यह खटारा स्कूटर बेचकर नयी कार खरीदेंगे। मॉम की बातें सुनकर बच्चे भारी खुश।

उन सबकी बातें सुनकर मुरारीलाल को भी लगने लगा कि इस पुराने छोटे से सडेले घर से निकलना जरुरी है। आजकल रात में उसे भी नये इंटीरियर वाला नया घर और उसके पोर्च में नई कार का सपना आता है।

इन सबके लिए पैसा कहां से आएगा ?

कर्ज देने वालों की कमी नहीं। इतने हैं कि गिनना मुश्किल। सारे मुरारीलाल की राह में पलक पांवड़े बिछाए बैठे हैं। सर, हमारा प्रोसिजर सबसे आसान है। कोई प्रोसिजर फीस भी नहीं। इंटरेस्ट रेट हमारा सबसे कम है। वे मार्केटिंग के गुरू हैं। आप नहीं जाएंगे तो वे खुद आपके पास आ जाएंगे। समझाएंगे आपको कि हमारी संस्कृति में जीवन को आनंदमय बनाने पर जोर है। ऋणं कृत्वा घृतम् पीबेत हमारे ही ऋषि चार्वाक कह गये हैं। जीवन का आनंद कर्ज लेने में ही है सर। वे आपको कर्ज लेने के लिए तैयार करने में निष्णात हैं।

यह सब देखकर मुरारीलाल भैरा गया है। हो क्या गया है इस देश को। क्या हम सब सीधीसादी जिंदगी जीना बिल्कुल ही भूल गये हैं? कहां से उग आए हैं इतने सारे कर्ज देने वाले? कहां गई चादर देखकर पांव पसारने वाली सीख बाज़ार की ताकत को नहीं जानता मुरारीलाल। बाज़ार उसके पैर चादर से बाहर खींचने की ताकत रखता है। लोन, डिस्काउंट, एक के साथ एक फ्री, एक्सचेंज ऑफर कई तरह के तीर हैं बाज़ार के तूणीर में। बाज़ार मुरारीलाल के केवल पैर ही नहीं बल्कि समूचे मुरारीलाल को चादर के बाहर खींचकर उसे नंगा करने की ताकत रखता है। पूरे देश को ही मुरारीलाल बना डाला है बाज़ार ने। आक्टोपसी भुजाओं में बाज़ार ने दुनियाभर को जकड़ रखा है। औरों की बात क्यों करें ईमानदारी से देखें तो हम में से कौन है जो छोटा-मोटा ही सही लेकिन मुरारीलाल नहीं है या कभी रहा नहीं है?

अजीब हालात हैं... हर काल, दर्द का वही हाल

सरयूसुत मिश्रा सरयूसुत मिश्रा

अजीब हालात हैं। देश के दोनों राष्ट्रीय दल बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे को संविधान का हत्यारा साबित करने में जुटे हुए हैं। दो पाटों के बीच पिस कर तो कोई भी नहीं बचता। बीजेपी आपातकाल के पचास साल के दिन को संविधान हत्यादिवस के रूप में मना रही है तो कांग्रेस संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर बीजेपी को कटघरे में खड़ा कर रही है।

आपातकाल कांग्रेस का अतीत और इतिहास का अन्याय काल रहा है। जबकि अंबेडकर के अपमान का आरोप राजनीति के अलावा कुछ भी नहीं कहा जा सकता। ऐसा लगता है, दिवंगत महापुरुषों का सम्मान से ज्यादा अपमान के मामलों में नाम उछाला जाता है। अगर स्मृतियों को जीवंत रखने में अपमान की घटनाएं इतनी कारगर हैं तो फिर यह दाग अच्छे ही हैं।

राजनीतिक दलों का एजेंडा अलग है। इसको देश के एजेंडे से घालमेल नहीं किया जा सकता। संविधान की हत्या का संघर्ष जारी है। यह आगे भी जारी रहेगा। एक आम नागरिक की दृष्टि से हर अन्याय काल, आपातकाल जैसा ही होता है। जो दर्द भोगता है, उसे ही पता होता है कि, हर काल का दर्द वही होता है।

आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर अतीत की घटनाओं पर वार-पलटवार हो रहे हैं। हम इस दिन को वर्तमान की नजर से देखना चाहते हैं। आपातकाल के पचास साल के पहले सप्ताह की खबरों का हाल बिना कुछ कहे सब कुछ बता रहा है। एक ही दिन 25 जून में पांच खबरें पढ़ने को मिली।

पहली खबर भूखे सिस्टम द्वारा रूपये 858 करोड़ के झूठे पोषण आहार वितरण से जुड़ी हुई है। यह गड़बड़ी कैग द्वारा पकड़ी गई है। लोकायुक्त ने इस पर जांच भी प्रारंभ की है। पोषण आहार उनको दिया जाता है जो कुपोषित हैं। जिनका जीवन संकट में है। संकट में समाधान देना जिस सिस्टम की जिम्मेदारी है, वही अपने लाभ के लिए उसका उपयोग करने लगे तो फिर इसे कौन सा काल कहा जाएगा? आपातकाल नहीं तो कम से कम इसे अन्याय काल तो कहा ही जा सकता है।

दूसरी खबर आगर-राजगढ़ जिले की सीमा पर बने कुंडलिया डैम में मुआवजा घोटाले से संबंधित है। अफसरों ने फर्जी आधार से बच्चों को अठ्ठारह साल का दिखाकर मुआवजा हड़प लिया। जो वास्तविक हकदार थे, वह तो तड़पते रहे लेकिन फर्जी लोगों के नाम पर मुआवजा अफसरों ने हजम कर लिया। जनधन हड़पने की सिस्टम की यह नीति और कार्य प्रणाली के दुष्प्रभाव क्या आपातकाल से कम कहे जा सकते हैं?

तीसरी खबर रेरा द्वारा स्मार्ट सिटी के सभी रेजिडेंशियल कमर्शियल प्रोजेक्ट रोके जाने की है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि दी गई है। यह प्रोजेक्ट वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। स्मार्ट सिटी मिशन अपने दस साल पूरे कर चुका है। इस मिशन के अंतर्गत आम जनता को जो सपने दिखाए गए थे, वह इतने वर्षों बाद भी पूरे नहीं हुए हैं। अब हालात यह है कि मिशन ही अपने अस्तित्व के संकट के दौर से गुजर रहा है।

रेरा के खिलाफ़ स्मार्ट सिटी मिशन हाईकोर्ट गया है। रेरा भी एक संवैधानिक संस्था है और राज्य सरकार एवं उसके द्वारा गठित मिशन भी संविधान के अंतर्गत ही कार्य करते हैं। रेरा ने कुछ शर्त लगाई है तो निश्चित रूप से वह नियम के अंतर्गत ही होगी। यह अलग बात हैकि, सरकारी प्रोजेक्ट में इतनी रिजिड होने की आवश्यकता नहीं है। स्मार्ट सिटी के लिए जिन हजारों लोगों को बेघर किया गया था, जिन मकानों को ध्वस्त कर दिया गया था, जो प्लान बनाया गया था, उस पर अब तक अमल नहीं हो सका है।

क्या यह सिस्टम की निरंकुशता और ज्यादती नहीं कही जाएगी? इसके लिए क्या किसी आपातकाल की आवश्यकता है? ऐसी घटनाएं सिस्टम में अतार्किक और तानाशाही पूर्ण कार्य शैली की ओर इशारा करती हैं।

चौथी खबर आदिवासी बाहुल्य अलीराजपुर के बीईओ कार्यालय में बीस करोड़ के गबन से जुड़ी हुई है। इस मामले में ईडी द्वारा डाले गए छापे पर यह खबर है, जो पैसा आदिवासियों के हित के लिए खर्च किया जाना था, उसका गबन हो जाए, वास्तविक हकदार वंचित रहे और सिस्टम के चोर लाभ उठाएं, वंचित हकदार का दर्द आपातकाल में भी वही होगा और सामान्य काल में भी वही रहेगा। दर्द की अनुभूति में कोई अंतर नहीं होगा। पांचवी खबर मुख्यमंत्री दुधारु पशु योजना में गड़बड़ी से जुड़ी है। आदिवासियों के हिस्से की भैंस दबंग पी गए हैं। दबंगों ने कुछ भैंस बेच दी और कुछ अपने बाड़े में बांध ली। यह योजना बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति के परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए थी। इस खबर का भी सार यह है कि, जो पीड़ित है, वंचित है, उसके लिए तो हर काल आपातकाल है। उसके अधिकारों और हक का जहां भी हनन हो रहा है वह आपातकाल ही कहा जाएगा। भले ही यह खबरें मध्य प्रदेश से संबंधित हैं लेकिन किसी भी राज्य में हर दिन ऐसी ही खबरें सामने आती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि, ऐसी खबरें भी सिस्टम को विचलित नहीं करती है। संवेदनशील कहे जाने वाला प्रशासन इतना असंवेदनशील हो गया है, कि उन्हें यह खबरें भी परेशान नहीं करती। जो सार्वजनिक रूप से तथ्यों के साथ सामने आ चुका है, उन पर सिस्टम का इतना नकारात्मक रवैया है तो फिर जो उजागर नहीं हुए हैं उन पर तो क्या कहना?

सिस्टम निर्मित हादसे और कार्य प्रणाली से जिनको भी दर्द मिल रहा है, उनके लिए हर काल मानो आपातकाल है। इसे कालखंड के रूप में देखने से समाधान नहीं हो सकता। इसे एक मानसिकता के रूप में समझना पड़ेगा। उसको बदलना पड़ेगा। शासन चाहे एक्स के नियंत्रण में हो चाहे वाय के, लेकिन दर्द में दोनों को समान होना चाहिए। बातों से ना संविधान बचेगा ना आपातकाल का वायरस मिटेगा। सच कहना, सुनना, बोलना और उसके लिए लड़ना पड़ेगा। सिस्टम और दर्द का सच एक है। इस सच को राजनीति से बहुत लंबे समय तक भटकाया नहीं जा सकता। जैसे जन्म में मृत्यु छुपी होती है, वैसे शुरुआत में ही अंत छुपा होता है। जिसके पास जितना भी काल है, वंचित का थोड़ा भी दर्द कम कर सके तो जीवन सफल माना जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

वायरल वीडियोः ट्रेन में यात्रियों संग अंताक्षरी और गीतों में डूबे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर–गुना–बैंगलुरु एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और खुद यात्रियों संग सफर कर उनके साथ अंताक्षरी खेल जीत लिया यात्रियों का दिल ।

डॉक्टर पति ने मांगा दहेज, मना करने पर दिया ट्रिपल तलाक

भोपाल। राजधानी में एक महिला डेंटिस्ट को उसका डॉक्टर पति शादी के तीन साल बाद दहेज में कार और दस लाख रुपए की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगा। इतना ही नहीं पति ने अपनी पत्नी को प्रेस जला भी दिया। साथ ही ट्रिपल तलाक देकर घर से निकाल दिया। उसकी करतूतों से परेशान होकर पीड़िता अपने मायके पहुंची और पूरा घटनाक्रम बताया। साथ ही पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक रोशन खान पति नावेद खान (30) लेकपर्ल कॉलोनी में रहती हैं, और डेंटिस्ट हैं। जबकि उनके पति नावेद खान राजस्थान जायपुर में डॉक्टर हैं। दोनों की शादी 2022 में हुई थी। शादी के बाद से पति दहेज में कार और दस लाख रुपए की मांग को लेकर प्रताड़ित कर मारपीट करने लगा था। इसके बाद मायके पक्ष ने उसे कार भी दिला दी थी।

अतिक्रमण में हटाए गए व्यापारियों से विधायक ने संवाद किया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। औबेदुल्लागंज में अतिक्रमण में हटायें गयें व्यापारी साथियों को बुलाकर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने उनसें संवाद किया व पुनः उनको विस्थापित करने पर विचार किया विधायक पटवा ने कहा हम हर कदम पर अतिक्रमण में हटायें गयें व्यापारी साथियों के

साथ खड़े हैं, योजनाबद्ध तरीके से उन्हें पक्की दुकानें बनाकर देंगे व जिससे फिर कभी उन्हें कभी कोई परेशानी का सामना न करना पड़े व उनका व्यवसाय भी पहलें से अधिक हो उस ओर हम काम कर रहें हैं इस मौके पर एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, सीएमओ किरण मैडम, नपा उपाध्यक्ष नमिता बागिस अग्रवाल, रविंद्र विजयवर्गी, डॉ भूपेंद्र नागर, सोनू चौकसे, दीपू परमार, नरेश शेट्टी, हेमलता मनोज चौरसिया, सना अमीर ममनून, विक्रम यादव, सहित व्यापारीगढ़ उपस्थित रहे।

2024-25 में बैंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन का अनुरोध किया थाः सिंधिया

ग्वालियर-चंबल को ऐतिहासिक सौगातः सिंधिया ने किया ग्वालियर-बैंगलुरु एक्सप्रेस का शुभारंभ, मुख्यमंत्री मोहन यादव व रेल मंत्री वर्चुअली हुए शामिल

सिंधिया ने शिवपुरी, गुना और अशोकनगर तक ट्रेन से किया सफर और तीनों स्टेशनों पर जनता से किया आत्मीय संवाद किया

ग्वालियर/भोपाल

ग्वालियर- चंबल अंचल के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और यादगार बन गया, जब क्षेत्र को ग्वालियर से बैंगलूरु के लिए एक नई और बहुप्रतीक्षित रेल सुविधा की सौगात मिल गई। आज, गुना लोकसभा सांसद और केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर रेलवे स्टेशन से 'ग्वालियर-बेंगलूरु एक्सप्रेस' ट्रेन संख्या 11085/11086 का विधिवत उद्घाटन और शुभारंभ किया और ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर उसमें अशोकनगर तक सफर किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता की, संबोधन दिया और ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में सिंधिया ने बताया की 2024 और 2025 में रेल मंत्री को पत्र लिखकर ग्वालियर-चम्बल अंचल से बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन का अनुरोध किया।

सिंधिया की जन संवाद की जीवंत यात्राः ट्रेन से शिवपुरी, गुना, अशोकनगर तक

इस शुभारंभ को विशेष और बनाने सुगम हेतु सिंधिया ने स्वयं ट्रेन में यात्रा भी की। यात्रा के दौरान उन्होंने ट्रेन में सवार यात्रियों से संवाद कर उनकी प्रतिक्रियाएं प्राप्त कीं। यात्रियों ने इस नई ट्रेन सेवा की शुरुआत का स्वागत करते हुए कहा कि इससे बेंगलुरु की यात्रा में 8 से 10 घंटे की महत्वपूर्ण समय बचत होगी।मंत्री सिंधिया ने शिवपुरी, गुना एवं अशोकनगर स्टेशनों पर रुककर जनता से आत्मीय संवाद किया।

40 लाख लोगों को सीधे लाभ

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह रेल सेवा लगभग 40 लाख लोगों को सीधे लाभ देगी और शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, बीना और भोपाल जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी रुकेगी।

गौरवपूर्ण ऐतिहासिक विरासतः एम. विश्वेश्वरैया का ग्वालियर से संबंध

सिंधिया ने भारत के महान इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया के योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि खड़कवासला जलाशय में पहली बार स्थापित हुए स्वचालित गेट्स बाद में ग्वालियर के टिगरा डैम में भी लगाए गए। यह डैम महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम के निमंत्रण पर, विश्वेश्वरैया के मार्गदर्शन में बना।

रेलवे के साथ-साथ अन्य विकास परियोजनाएं भी प्रगति पर

सिंधिया ने बताया कि ग्वालियर का नवीन एयरपोर्ट पूर्णता के करीब है और ग्वालियर रेलवे स्टेशन का भव्य पुनर्निर्माण हो रहा है। साथ ही ?900 करोड़ की पश्चिमी एक्सप्रेसवे परियोजना नितिन गडकरी के नेतृत्व में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-श्योपुर ब्रॉड गेज लाइन योजना में कैलारस तक ट्रेन पहुँच चुकी है, और शीघ्र ही श्योपुर और कोटा तक विस्तारित की जाएगी।

रेल मंत्री ने गिनाईं रेलवे विकास की उपलब्धियां

उक्त कार्यक्रम में अपने संबोधन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले मध्यप्रदेश को जहां ?600 करोड़ का रेलवे बजट मिलता था, आज यह बढ़कर 14,747 करोड़ तक पहुंच गया है। आज राज्य में 2,651 किमी नई पटरियाँ बिछाई गई हैं और प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण चल रहा है, जिनमें ग्वालियर प्रमुख है। साथ ही आगामी समय में ग्वालियर से आगरा के बीच एक नई पैसेंजर ट्रेन शुरू करने की योजना है।उन्होंने कहा कि मंत्रालय द्वारा एक ही वर्ष में मध्य प्रदेश को रेलवे क्षेत्र के लिए 24,000 करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति दी गई है, जो विकास की तीव्र गति को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर के भविष्य की झलक प्रस्तुत की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा ग्वालियर सदैव प्रगति की दिशा में अग्रसर रहा है। ?8,500 करोड़ रुपये की लागत से बनने जा रही मुंबई लाइन परियोजना चंबल-मालवा क्षेत्र में नया इतिहास रचेगी और आने वाले समय में ग्वालियर संभाग सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रो-उद्योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाला समय ग्वालियर का है – यह क्षेत्र सेमीकंडक्टर, रोज़गार, उद्योग, कृषि और शिक्षा के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा। सिंधिया ने आज उक्त ट्रेन के विधिवत शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया। आज उक्त गाड़ी (11086) को ग्वालियर से एसएमवीटी बेंगलुरु के लिए उद्घाटन स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाया गया था। आगामी 29 जून से यह ट्रेन रोजाना बेंगलूरु से और 4 जुलाई से ग्वालियर से चलेगी। 4 जुलाई से उक्त ट्रेन का परिचालन ग्वालियर से दोपहर 3 बजे होगा जो 6 जुलाई को सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर बेंगलुरु पहुंचेगी।

यह नई रेल सेवा ग्वालियर

चंबल को दक्षिण भारत से जोड़ेगी, और क्षेत्र के लाखों युवाओं को रोजगार, शिक्षा, व्यापार व भविष्य की नई संभावनाओं से जोड़ेगी।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री सिंधिया के साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाहा, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, और विधायक सतीश सिंह सिकरवार ने भी संयुक्त रूप से इस ऐतिहासिक रेल सेवा का शुभारंभ किया।

सोनम-प्रवृत्ति पवित्र रिश्तों का नासूर बन रही है

रमण रावल

मैं नहीं जानता कि मेरी बात जिन भी लोगों तक पहुंचेगी, वे अपने भीतर की सोनम प्रवृत्ति को निकाल फेंकेंगे या नहीं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह युवक है या युवती, क्योंकि निकृष्ट व्यवहार,हिंसक क्रियाकलाप,अपनी सनक, जिद, हठधर्मिता के कारण अपने ही जीवन साथी की नृशंस हत्या जैसा जघन्य कृत्य कर डालना-यह एक व्यक्ति का कृत्य नहीं बल्कि प्रवृत्ति है। आज किसी सोनम ने किया, कल कोई राजा वैसा कर दे तो वह भी सही नहीं है। इसलिये, समाज में और विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी में पनप रही नकारात्कता,स्वेच्छाचारिता और अपने मन के संतोष के लिये किसी भी हद से गुजर जाने वाले कृत्य की प्रवृत्ति कुछ ज्यादा ही तेजी से बढ़ रही है। इस पर समग्र रूप से संपूर्ण समाज को अविरत,गंभीर,परिणाममूलक विचार करना होगा। इन आसुरी प्रवृत्तियों में बढ़ोतरी समाज की पारंपरिक मान्यताओं,मूल्यों,जीवन पद्धति को ही बदलती जा रही है।

यदि सोनम-राजा मसले की अभी तक सामने आई कहानी पर चिंतन करें तो बेहद साधारण से समाधान समाने आ जाते हैं, बशर्ते संबंधित पक्ष समय रहते,उस पर विचार कर लें। जैसे सोनम को अपने परिवार के संस्थान में काम करने वाले राज से प्यार था। मुझे तो इस रिश्ते पर ही संदेह है, क्योंकि जो किसी से बेतरह प्यार करता है,वह किसी दूसरे की हत्या कैसे कर सकता है? याने ऐसे व्यक्ति के भीतर प्यार का झरना तो बह ही नहीं सकता। प्यार करने वाले इस जमाने ने असंख्य देखें हैं, जिन्होंने जीवन भर अपने प्यार से दूर रहना तो स्वीकार किया, लेकिन प्रतिशोध में कोई हिंसक,अनुचित,अमान्य तौर-तरीके नहीं अपनाये।

अब मान भी लें कि उसका दिल राज के लिये धड़कता भी था तो कितने सारे विकल्प खुले थे। वह परिवारजन से कह देती। जिद पकड़ लेती कि शादी करेगी तो राज से या कुआरी रहेगी। फेरों के समय हट जाती। यदि तब परिवार की बदनामी का डर था तो जो अब हुआ,उससे क्या परिवार और स्वयं की वाहवाही हो रही है ? ऐसा भी अनंत बार हुआ है। वह अपना घर छोड़कर राज के साथ चली जाती। भले ही इंदौर में न रहकर कहीं और जा बसती। कुछ प्रेमी जोड़े जीवन भर लापता रहते हैं। परिजन भी उन्हें भुला देते हैं। राज भी अगर सोनम से प्यार करता था तो सोनम को समझाता कि राजा की हत्या का सोचे भी नहीं । यदि सोनम ऐसी कोई बात करेगी तो वह उसे नहीं अपनायेगा। जब शादी की बात चल रही थी या सगाई हो गई थी, तब राजा से एकांत में, फोन पर कह देती कि वह स्वयं इस रिश्ते के लिये मना कर दे, क्योंकि वह राज से प्यार करती है। बेहद आसानी से राजा मान जाता और इसमें ही खैर मनाता कि शादी के बाद का जीवन बरबाद होने से बच गया।

इस मसले को देखकर लगता है कि सोनम और राज दोनों के ही भीतर प्यार का नर्म-नाजुक अहसास तो था ही नहीं । यदि एक कण मात्र भी होता तो कोई तो पहल करता,अपने साथी को समझाता-मनाता कि शादी न करे और परिवार वालों को बताये-मनाये। याने महिला-पुरुष के रिश्ते में अब प्यार की तो कोई जगह ही नहीं बची ? अमृता प्रीतम जीवन भर साहिर लुधियानवी से खुल्लम-खुल्ला प्यार करती रही। राधा ने,मीरा ने कृष्ण से वो प्यार किया, जिसकी मिसाल इस ब्रह्मांड के कायम रहने तक दी जायेगी। मीरा ने तो इस प्यार के लिये जहर पीकर जान दे दी, बनिस्बत किसी की जान लेने के। प्यार उन 16 हजार महिलाओं ने वासुदेव से किया,जिन्हें एक असुर की कैद से श्रीकृष्ण ने छुडा तो लिया, लेकिन उनके घर-परिवार-समाज ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उन्हें सम्मान कृष्ण ने अपनाया और द्वारिका ले जाकर बसाया। वे नारियां कृष्ण की पत्नियां नहीं थी, प्यारी थी। वहां शरीर नहीं मन का मिलन प्रमुख था।

इसलिये मेरा दृढ़ मत है कि न सोनम न राज एक-दूसरे के प्यार में थे। ऐसा कोई भी व्यक्ति किसी से प्यार कर ही नहीं सकता, जो अपने कथित प्यार को पाने के लिये किसी दूसरे के प्यारे की निर्ममता से जान ले ले। यह भौतिकतावाद भी नहीं है कि राज कोई नव धनाड्य या रईस घराने का तो था नहीं। शक्ल,अक्ल और हैसियत से वह निरा फटीचर था। जो युवक अपने परिवार के संस्थान में 10-20 हजार के वेतन पर नौकरी करता हो, जिसकी शक्ल-सूरत साधारण से भी कमतर हो, जिसकी कद-काठी औसत से भी कम हो, जिसकी कोई सामाजिक छवि चमकीली न हो, जो पारिवारिक दृष्टि से कमतर हो, वह भी प्यार करने लायक तो हो सकता है, लेकिन कुछ वैसा तो हो, जो उसे विशेष,आकर्षक,असाधारण बनाता हो। राज तो कतई नहीं हो सकता,जिसकी बदौलत सोनम ने एक घर का चिराग बुझा दिया,अपना ही सुहाग उजाड़ दिया। इस पावन रिश्ते को कलंकित कर दिया।

सोनम-राज का यह कोई पहला और आखिरी भी प्रसंग नहीं है। चूंकि हमारे जीवन मूल्य बोथरे हो गये हैं। आचरण में घोर दोगलापन आ गया है। महत्वाकांक्षा बेहतर पाने की ओर न ले जाकर निकृष्टता के दलदल में गिराती जा रही है । सुख,वैभव,ऐशो-आरामपूर्ण जीवन की लालसा का अतिरेक हिलोरे लेने वाले इस दौर में नैतिक,संयमी,संतुलित,दोषमुक्त जीवन जीने वाले को हेय दृष्टि से देखा जाता हो, वहां सोनम-राज की युति बलवती होती रहेगी और कोई न कोई राजा रघुवंशी बलि चढ़ता रहेगा।

इसलिये सोचने और दृढ़तापूर्वक क्रियान्वयन की पहल अभिभावकों को करना होगी। समाज को चिंतन करना होगा कि पुरातन भारतीय सामाजिक व्यवस्थायें परिष्कृत तरीके से, वर्तमानि संदर्भों के साथ कैसे व्यवहार में लाई जाये। संयुक्त परिवार,छोटों की बातों को मन की बात कहने की स्वतंत्रता,अनावश्य डांट-फटकार से बचना,जीवन के महत्वपूर्ण मामलों में संबंधित की राय को सुनना-समझना। शिक्षा,आजीविका,शादी जैसी बातों में बाध्यतापूर्ण दबाव को दरकिनार करना आदि ऐसी बातें हैं, जो वर्तमान समय की मांग है। यदि अबोला,जबरदस्ती,समाज के कहने-सुनने को प्राथमिकता देकर अपने बच्चों की भावनाओं की उपेक्षा करना जारी रखेंगे तो सोनम-राजा जैसे कांड रोके नहीं जा सकेंगे।

थाना दमोह देहात पुलिस की सफलता

अंधे कत्ल का चंद घंटों में किया खुलासा,मृतक का भाई निकला घटना का मास्टर माइंड

दमोह। थाना दमोह देहात क्षेत्रांतर्गत 23 जून 25 को मढाहार दमयंतीनगर की पहाड़ी पर अज्ञात युवक का शव पड़े होने की सूचना पर थाना दमोह देहात में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मृतक की पहचान दयाराम लोधी पिता कुदूलाल लोधी उम्र 23 साल निवासी ग्राम रीछी थाना सिमरिया जिला पन्ना के रूप में हुई। प्रथम दृष्टया मृतक की हत्या गला घोंटकर की जाना पाये जाने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध हत्या का अपराध दर्ज किया। सुनसान इलाके में हुये अंधे कत्ल के आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस के लिये बड़ी चुनौती थी। पुलिस अधीक्षक दमोह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में निरीक्षक रचना मिश्रा थाना प्रभारी दमोह देहात द्वारा टीम गठित कर घंटो के अंदर जिला पन्ना से आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया।

संपूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक रचना मिश्रा थाना प्रभारी दमोह देहात, सउनि अकरम, सउनि अभय सिंह, प्र.आर. 840 आलोक भारद्वाज, प्र.आर. 286 मुकेश दुबे, प्र.आर. 144 संजय पाठक, प्र.आर. राधेश्याम मिश्रा, प्रआर सचिन नामदेव आर. 589 देवेन्द्र, आर 736 अखिलेश साहू, आर. 456 जितेन्द्र याना दमोह देहात, प्र.आर. राकेश अठया, आर. मयंक दुबे, आर रोहित, आर अजीत सायबर सेल, सैनिक महफूज, साहबलाल जबलपुर नाका।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में बिग ब्यूटीफुल इवेंट को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनका बड़ा समझौता होने जा रहा है। इस बीच उन्होंने चीन के साथ समझौता होने की भी बात कही। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया है कि चीन और अमेरिका के बीच किस तरह का सौदा हुआ है और भारत के साथ कब और कैसे व्यापार समझौते का एलान किया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते का संकेत दिया। यह बात दोनों देशों के अधिकारियों की टीम की ओर से व्यापार समझौते पर चार दिवसीय बंद बातचीत के कुछ सप्ताह बाद कही गई। यह बातचीत बंद कमरे में की गई थी। व्हाइट हाउस में बिग ब्यूटीफुल इवेंट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनका बहुत बड़ा सौदा होने जा रहा है।

ट्रंप ने कहा, हर कोई सौदा करना चाहता है। उसका हिस्सा बनना चाहता है। याद कीजिए कुछ महीने पहले मीडिया कह रही थी कि क्या वाकई कोई ऐसा है, जिसकी कोई दिलचस्पी हो? खैर, हमने कल ही चीन के साथ समझौता किया है। हम कुछ बेहतरीन सौदे कर रहे हैं। हम एक और सौदा करने वाले हैं, शायद भारत के साथ। बहुत बड़ा सौदा।% ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका हर दूसरे देश के साथ व्यापार समझौते नहीं करेगा। उन्होंने कहा, %हम हर किसी के साथ सौदे नहीं करने जा रहे हैं। कुछ लोगों को हम बस एक पत्र भेजकर बहुत-बहुत धन्यवाद कहेंगे। आपको 25, 35, 45 प्रतिशत का भुगतान करना है। यह ऐसा करने का आसान तरीका है। मेरे लोग इसे इस तरह से नहीं करना चाहते। वे कुछ करना चाहते हैं, लेकिन वे मुझसे ज्यादा सौदे करना चाहते हैं। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि मेगा व्यापार सौदे पर चार दिवसीय वार्ता में कथित तौर पर दोनों देशों में औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और गैर-टैरिफ अड़चनों पर मुख्य रूप से फोकस किया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों ने किया था, जबकि व्यापार मंत्रालय के वार्ताकारों की भारतीय टीम का नेतृत्व राजेश अग्रवाल (वाणिज्य एवं उद्योग सचिव) ने किया था।

कथित तौर पर समझौते के लिए बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, %प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फरवरी 2025 में मिले, हमारे दोनों नेताओं ने एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते में प्रवेश करने का फैसला किया है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं, दोनों पक्षों के व्यवसायों और दोनों देशों के लोगों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। हम व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक अच्छा, निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित समझौता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जा सकता है

इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने भी कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जा सकता है, जिसमें दोनों देश अपने हितों की रक्षा कर सकते हैं।

अमेरिका-चीन व्यापार समझौता

ट्रंप ने बग ब्यूटीफुल बिल% कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी बताया कि उन्होंने बुधवार को चीन के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, उन्होंने समझौते के विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि यह सौदा चीन से अमेरिका तक दुर्लभ पृथ्वी शिपमेंट में तेजी लाने पर केंद्रित है। दोनों पक्षों ने कथित तौर पर जिनेवा समझौते को लागू करने के लिए एक रूपरेखा के लिए एक अतिरिक्त समझ पर भी सहमति व्यक्त की। यह समझौता अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बाद हुआ है, जिसके कारण द्विपक्षीय व्यापार में लगभग रुकावट आ गई थी।

राजनाथ सिंह ने दी चीन की धरती से भारत के लिए गुड न्यूज

चीन संग 6 साल बाद बन गई बात, कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होगी

किंगदाओ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने चीन के चिंगदाओ शहर पहुंचे। उन्होंने चीन के रक्षामंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ मुलाकात की। अहम बात यह है कि इस दौरान एक खास फैसले पर सहमति बनी। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए बताया करीब छह सालों के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होगी। इस को लेकर भारत और चीन के बीच सकारात्मक बातचीत हुई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग छह वर्षों के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा की पुनः शुरुआत पर खुशी व्यक्त की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस और बेलारूस के अपने समकक्षों के साथ भी मीटिंग की इन द्विपक्षीय बैठकों में क्षेत्र में चुनौतियों और सुरक्षा खतरों के साथ-साथ रक्षा सहयोग पर बातचीत हुई। राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, चिंगदाओ में बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर ख्रेनिन के साथ अच्छी बातचीत हुई। इससे पहले राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आवंटित 252 मेगावाट विद्युत क्रय अनुबंध पर एनएचपीसी और एम पी पीएमसीएल के मध्य हस्ताक्षर हुए और एम ओ यू का आदान-प्रदान किया गया।

भोपाल में मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्व. सुभाष यादव की पुण्यतिथि के अवसर पर पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत ने पंजाब से यूएई और कतर को लीची का निर्यात किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की शाखा कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने शुक्रवार को बताया कि भारत ने इस महीने पहली बार पंजाब से दोहा और दुबई को 1.5 टन लीची का निर्यात किया है। भारत के बागवानी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीईडीए ने 23 जून को पंजाब के पठानकोट से दोहा के लिए 1 टन गुलाब-सुगंधित लीची की पहली खेप और दुबई के लिए 0.5 टन इसी फल की खेप को रवाना करने में सहायता की है। यह पहल प्राधिकरण द्वारा पंजाब के बागवानी विभाग और लुल्लू ग्रुप के सहयोग से की गई। 2023-24 के दौरान, पंजाब का लीची उत्पादन 71,490 टन होगा, जो भारत के कुल लीची उत्पादन का 12.39 प्रतिशत हिस्सा होगा। उसी वर्ष भारत से कुल 639.53 टन लीची का निर्यात किया।

पासपोर्ट बनवाने के लिए घर आएगी वैन, वहीं दस्तावेजों का वेरिफिकेशन, ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में चलता-फिरता पासपोर्ट कार्यालय शुरू किया, जिसमें आवेदकों के पास खुद मोबाइल वैन पहुंचेगी। इसलिए कि पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। नौकरी करने, पढ़ने वाले छात्रों के अलावा बड़ी संख्या में विदेशों में सैर-सपाटे के लिए भी पासपोर्ट बनवाए जा रहे हैं। इसके चलते आवेदनों की संख्या भी कई गुना बढ़ गई। वहीं लोगों को लम्बी यात्रा कर पासपोर्ट ऑफिस पहुंचना पड़ता है, जिनमें छोटे शहर, कस्बे से लेकर गांव भी शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में मोबाइल पासपोर्ट वैन शुरू की गई है, जिसका रविवार को भोपाल में अनावरण किया गया। यह वैन इंदौर सहित प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचेगी और पासपोर्ट की पूरी प्रक्रिया वैन में लगे कम्प्यूटर, स्कैनिंग मशीन, बायोमैट्रिक सहित के जरिए पूरी की जाएगी। इसके लिए भी ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग होगी। जिन क्षेत्रों में वैन पहुंचेगी उसकी सूचना पहले वहां के नागरिकों को दी जाएगी और मौके पर भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा।

पासपोर्ट अधिकारी शितांशु चौरसिया के मुताबिक इस मोबाइल सेवा का लाभ क्षेत्रीय कार्यालय के अलावा अधिकार क्षेत्र में आने वाले जिलों में आवश्यकता के मुताबिक दिया जाएगा। मध्यप्रदेश के रहवासी पासपोर्ट सेवा की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपॉइंटमेंट बुक कर सकेंगे। आवेदन करते समय पासपोर्ट वैन सेवा का चयन करने और उपलब्ध तिथियों में से अपनी सुविधा के मुताबिक स्लॉट तय किया जा सकेगा। जहां पर मोबाइल वैन किसी एक स्थान पर खड़ी रहेगी, वहां आवेदक पहुंचेंगे और दस्तावेजों की जांच, फोटो सहित अन्य प्रक्रिया वैन में ही होगी।

आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा के सतत नेट-जीरो भविष्य के विजन का नेतृत्व किया

संबलपुर। स्थिरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आईआईएम संबलपुर ने काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के साथ मिलकर ओडिशा के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। इकोनॉमिक ट्रांज़िशन कोएलिशन ओडिशा के माध्यम से, आईआईएम संबलपुर राज्य में नौकरियों, विकास और स्थिरता को एकीकृत करने की एक रणनीतिक योजना को साकार करने में जुटा है। इटीसीओ द्वारा प्रकाशित एक श्वेत पत्र के माध्यम से, यह गठबंधन आईआईएम संबलपुर की गहरी स्थानीय विशेषज्ञता, ओडिशा के उद्योग और शैक्षणिक नेताओं की भागीदारी, और भारत व अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा बदलाव की दिशा में ष्टत्वस् के कार्यों से प्राप्त अंतर्दृष्टियों का लाभ उठाता है। यह साझेदारी पांच-स्तरीय रणनीति को उजागर करती है जिसमें शामिल हैं-उच्च और समान आय, सतत खाद्य प्रणाली, जलवायु लचीलापन, जैव विविधता की शून्य हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में नेट-ज़ीरो लक्ष्य। आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रो. महादेव जायसवाल ने कहा, आईआईएम संबलपुर में सस्टेनेबिलिटी केवल इमारतों या रैंकिंग तक सीमित नहीं है। जैसा कि हम जानते हैं कि ओडिशा भारत के वैश्विक सतत विकास की कहानी का नेतृत्व करने के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के मुहाने पर है।

गोदरेज भारत में सुरक्षा समाधानों के लिए बना हुआ है पसंदीदा ब्रांड

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने वित्त वर्ष '25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की, जिससे सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई। व्यवसाय ने वित्त वर्ष '26 में 15त्न वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जो भारत के तेज़ी से बदलते शहरी और उपनगरीय बाज़ार खंडों से बढ़ती मांग से प्रेरित है, जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेज़ी से परिष्कृत हो रही हैं। यह वृद्धि नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी एकीकरण और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित होगी। आधुनिक भारतीय उपभोक्ता अब केवल सुरक्षा उत्पाद के प्रति ही नहीं बल्कि डिजाइन के प्रति जागरूक घर के मालिक, टेक्नोलॉजी-प्रेमी माता-पिता, महिला निर्णयकर्ता और विश्वास तथा पारदर्शिता चाहने वाले व्यवसाय के मालिक भी हैं। गोदरेज इन उभरते व्यक्तित्वों की ज़रूरत समझकर ऐसे सुरक्षा समाधान बनाना चाहती है जो न केवल सुरक्षा करें बल्कि उनके जीवन से सहजता से जुड़ें भी।

इंटेरियो ने फर्नीचर शॉपिंग को दी एक नई पहचान

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह की एक इकाई और भारत के प्रमुख फर्नीचर ब्रांडों में से एक इंटेरियो ने भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और स्मार्ट, व्यक्तिगत जीवनशैली की मांग को ध्यान में रखते हुए फर्नीचर शॉपिंग को एक नया रूप दिया है। ब्रांड ने भावनात्मक डिज़ाइन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और तकनीक के एकीकरण के ज़रिए उपभोक्ता अनुभव को और भी सशक्त बनाया है। इंटेरियो अपने ओम्नीचैनल मॉडल को मजबूत कर रहा है ताकि हर टचपॉइंट पर एक समान और सार्थक अनुभव मिल सके। उपभोक्ता व्यवहार को गहराई से समझने के लिए, इंटीरियो ने ड्ढस्न्द्ब के ब्रेन लैब के साथ साझेदारी की है। इस पहल के तहत उपभोक्ताओं की आंखों की गति और हृदय गति जैसे बॉयोमेट्रिक रिस्पॉन्स को ट्रैक कर यह समझा जा रहा है कि पहली नजर में कौन-से डिज़ाइन उन्हें आकर्षित करते हैं। इन जानकारियों के आधार पर प्रोडक्ट डिज़ाइन तैयार किए जा रहे हैं।

क्या 58 वर्षों का सूखा होगा खत्म, एजबेस्टन में जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बन पाएंगे शुभमन गिल

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। इसकी शुरुआत दो जुलाई को होगी। इस टेस्ट में शुभमन गिल के पास इतिहास रचने का मौका है। दरअसल, इस मैदान पर अब तक भारतीय टीम फतह नहीं कर पाई है। टीम इंडिया ने इस मैदान पर सबसे पहला मैच 1967 में खेला था। चाहे विराट कोहली हों या धोनी या फिर द्रविड़ या फिर सौरव गांगुली, 58 साल में यहां किसी भारतीय कप्तान ने जीत हासिल नहीं की। हालांकि, गिल के पास अपना नाम इतिहास की किताबों में दर्ज कराने का मौका होगा। अगर वह 58 वर्षों का सूखा खत्म करने में कामयाब होते हैं तो बर्मिंघम के एजबेस्टन में जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय कप्तान बनेंगे। भारत ने 1967 में जब पहली बार एजबेस्ट में टेस्ट मैच खेला था तो मंसूर अली खान पटौदी कप्तान रहे थे। तब इंग्लैंड ने टीम इंडिया को 132 रन से हराया था। इसके बाद 1974 में भारत ने इस मैदान पर दूसरी बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेला, तब अजीत वाडेकर कप्तान रहे थे। भारत को उस मुकाबले में भी पारी और 78 रन से हार का सामना करना पड़ा था। फिर 1979 में भारत ने एस वेंकटराघवन की कप्तानी में तीसरा मुकाबला खेला। उस टेस्ट में इंग्लिश टीम ने भारतीय टीम को पारी और 83 रन से शिकस्त दी थी। 1986 में टीम इंडिया ने एजबेस्टन में कपिल देव की कप्तानी में टेस्ट खेला। यह मैच ड्रॉ रहा था और रिकॉर्ड के हिसाब से कपिल एजबेस्टन में टेस्ट ड्रॉ कराने वाले पहले भारतीय कप्तान हैं। आंकड़ों के हिसाब से वह एजबेस्टन में सबसे सफल भारतीय कप्तान भी हैं।

इसके बाद टीम इंडिया 10 साल तक एजबेस्टन के मैदान से दूर रही। फिर 1996 में मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में टीम इंडिया इस मैदान पर टेस्ट मैच खेलने उतरी। उस मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को आठ विकेट से हराया था। 2011 में जब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट खेला तो इंग्लैंड ने पारी और 242 रन से जीत दर्ज की। 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट खेला और 31 रन से भारतीय टीम को हार मिली। 2021-22 में भारत के इंग्लैंड दौरे पर चार टेस्ट भारतीय टीम ने विराट कोहली की कप्तानी में खेले, लेकिन पांचवां टेस्ट कोरोना की वजह से स्थगित हो गया था। इसे 2022 में अगस्त में खेला गया था। तब तक कोहली कप्तानी से हट चुके थे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह ने टीम इंडिया की कप्तानी की और भारत यह टेस्ट सात विकेट से हार गया। इस मुकाबले से पहले तक भारत 2-1 से सीरीज में आगे थे। अगर मैच तभी हुआ होता तो कोहली के पास भी इतिहास रचने का मौका था। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका। अब जो काम किंग नहीं कर पाए, अब उसे प्रिंस को पूरा करने की जिम्मेदारी होगी। गिल पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कप्तानी कर रहे हैं और लीड्स में उनकी कप्तानी अच्छी रही थी। हालांकि, भारत को पहले टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिली। भारतीय गेंदबाजों के लचर प्रदर्शन और ढीली फील्डिंग का पूरा फायदा उठाते हुए बेन डकेट के शानदार शतक की मदद से इंग्लैंड ने 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल करके पहले टेस्ट के पांचवें दिन भारत को हरा दिया।

दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएंः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सिंह

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री सुखवीर सिंह ने गुरुवार को निर्वाचन सदन भोपाल में राज्य स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाए जाने के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा कमेटी के सदस्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के मताधिकार के दृष्टिगत आयोग द्वारा मतदान केन्द्रों में बुनियादी न्यूनतम सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया गया है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर, रैंप, बड़े अक्षरों में साइनेज, टोकन सिस्टम, बैठने की सुगम व्यवस्था, पीने का पानी, दिव्यागजनों के लिए अनुकूल शौचालय इत्यादि की व्यवस्था गई है। ही दिव्यांगजन अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सके साथ ही यह भी पता लगा सके, इसके लिए PWD App की सुविधा प्रदान की गई है। यह मोबाइल एप्लीकेशन ऐप है। दिव्यांग मतदाता द्वारा वोटर हेल्पलाइन एप/एनव्हीएसपी पोर्टल के माध्यम से अपनी दिव्यांगता की स्थिति को अद्यतन कर सकता है। दृष्टिहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए ब्रेल लिपी में मतदाता परिचय पत्र एवं मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। चुनाव से पूर्व दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और गैर सरकारी सगठनों इत्यादि को दिव्यागजनों से सम्मानपूर्वक बातचीत करने एवं उनकी आवश्यकताओं को पहचान कर उसके अनुरूप मतदान को अधिक सुलभ बनाने के लिये प्रशिक्षण दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने बताया कि ऐसे दिव्यांग मतदाता, जिनका नाम मतदाता सूची में है और वे 40त्न से अधिक विकलांगता के मानक प्रमाण पत्र धारी हैं और मतदान केन्द्र तक पहुंचने में अक्षम हो उन्हें 12-ष्ठ (डाक मतपत्र) के द्वारा मतदान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। निर्वाचन के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्याजनों को मतदान एवं मतदान केन्द्र पर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए ÷सक्षम ऐप÷ भी बनाया गया है। बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि आने वाले मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण में बीएलओ द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के बाजार में आया बस्तर का काला सोना एक सब्जी, प्रोटीन, विटामिन बी,अमीनो एसिड और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में मानसून के दस्तक के साथ ही सबसे महंगी सब्जियों में शुमार एक सब्जी अब बस्तर के बाजारों में दिखने लगी है। छत्तीसगढ़ की सबसे महंगी सब्जी के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।आपने सब्जियां तो कई किस्म की खाई होंगी, लेकिन एक सब्जी ऐसी भी है जो सोने के भाव में बिकती है। अब आप सोच रहे होंगे, कि ऐसी भी कोई सब्जी होती है क्या तो जवाब है- हां, कौनसी है वो सब्जी जिसे काला सोना भी कहा जाता है.

बता दें, अब बोड़ा सब्जी बस्तर के बाजार में पहुंच गई है. यह सब्जी सोने के भाव की तरह वाली कीमत 5000 रुपये प्रति किलो से अधिक पर भी बेचीं गई है. यह सब्जी बस्तर संभाग में मानसून के समय ही उपलब्ध होती है। आज हम बात कर रहे एक ऐसी सब्जी की जो न तो खेत में उगती है और न ही दुकानों में मिलती है, लेकिन इसकी तलाश जंगल में ऐसे होती है जैसे कोई खजाना हो। इस सब्जी का नाम है बोड़ा और यह इन दिनों 2500, 3000 रुपये किलो बिक रहा है। आदिवासी महिलाएं ग्रामीण अंचलों से बोड़ा बेचने शहर पहुंच रही हैं।बोड़ा साल के पेड़ों की छांव में पत्तों की सड़न और मिट्टी की नमी में जन्म लेता है। ये कोई आम सब्ज़ी नहीं ये एक जैविक रहस्य है। एक फफूंद, जो न तो इंसानी हाथों से उगाया जा सकता है और न ही इसका कोई बीज होता है। बोड़ा उगता है सिर्फ कुछ ही हफ्तों के लिए और इस बेहद कम समय में इसका स्वाद और कीमत दोनों आसमान छू जाते हैं। लोग कहते हैं ये स्वाद में मटन और चिकन से भी आगे है।जंगल से निकलने वाली ये सब्जी अब बस्तर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनती जा रही है।

महुआ और तेंदूपत्ता के बाद यही एक सीज़नल इनकम है, जिससे गांव वालों की कमाई होती है। हर साल सैकड़ों क्विंटल बोड़ा जंगलों से निकाला जाता है और जगदलपुर से लेकर रायपुर, भिलाई, नागपुर और विशाखापट्टनम तक भेजा जाता है। वैज्ञानिक अब भी हैरान हैं। लाख रिसर्च करने के बाद भी बोड़ा को कृत्रिम रूप से उगाने का फॉर्मूला नहीं मिल पाया, क्योंकि ये सिर्फ साल के पत्तों की सड़न, मिट्टी और उमस के एकदम सटीक मेल से उगता है।बताया जाता है कि बोड़ा में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इसके अलावा, विटामिन बी,अमीनो एसिड और एंटीऑक्सिडेंट्स भी मिलता है. स्वाद ही नहीं सेहत में भी इसे सुपरफूड की कैटेगरी में रखा जा सकता है।बोड़ा सब्जी भी मशरूम की 12 प्रजातियों में शामिल है. बोड़ा के उगने के लिए बारिश और उमस का मौसम काफी अनुकूल होता है. जून-जूलाई के महीने में बोड़ा की सबसे अधिक उपलब्धता होती है. इतनी महंगी होने के बावजूद भी इसके अनेक दीवाने हैं. बस्तर के बाजार में इसके चाहने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार इंफेक्शन, ब्लड प्रेशर और शुगर के मरीजों के लिए इसे अचूक दवा माना जाता है, जबकि, कुपोषण और पेट से संबंधित बीमारियों से ग्रसित लोगों के लिए यह बहुत फायदा करता है। जब ये 2500 से 3000 रुपये किलो बिक रहा है तो सवाल ये नहीं उठता कि ये महंगा क्यों है। सवाल ये उठता है कि ये अब तक बाकी दुनिया की नज़र से कैसे छुपा रह गया।

सांसद ने शॉल श्रीफल देकर ब्राम्हणों का स्वागत किया

छिंदवाड़ा। सांसद द्वारा खंडवा यात्रा जाते हुए ब्राह्मण बांधों का शॉल श्रीफल देकर सम्मान मध्यप्रदेश संत पुजारी संघ जिला अध्यक्ष पंडित सुनील तिवारी गंगा द्विवेदी राजेश दुबे बंटी तिवारी मोहन तिवारी तरुण शर्मा एवं विप्र पहुंच संगठन के अध्यक्ष श्रवण शर्मा समस्त ब्राह्मण बांधों का सम्मान किया गया संत पुजारी संघ ब्राह्मणों का सांसद ने किया स्वागत।

मूंग एवं उडद के पंजीयन की अंतिम तिथि 5 जुलाई

छिंदवाड़ा। शासन के निर्देषानुसार भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 19 जून 2025 से 05 जुलाई 2025 तक ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उडद का पंजीयन किया जा रहा हैं। ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उडद का पंजीयन दिनांक 05 जुलाई 2025 तक निर्धारित किये गये पंजीयन केन्द्रों पर किया जा रहा हैं। जिला छिंदवाडा हेतु 19 एवं जिला पांढुर्णा हेतु 02 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किये गये हैं।

ममता डोगरे बनीं मंडल उपाध्यक्ष

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक विस्तार एवं मजबूती के अंतर्गत ममता डोगरे को भाजपा मंडल 4 गुलाबरा की उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति माननीय सांसद विवेक 'बंटी' साहू के मार्गदर्शन, भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, तथा मंडल अध्यक्ष लीला बाजुलिया के नेतृत्व में की गई। नवनियुक्त उपाध्यक्ष ममता डोगरे को पदभार मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि ममता डोगरे अपने अनुभव, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता से पार्टी को और अधिक सशक्त बनाएंगी। इस अवसर पर मंडल कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह का माहौल देखा गया। सभी ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सहयोग का संकल्प लिया।

तेज बारिश की वजह से दुकानों में पानी की झिर फूटी

अमरवाड़ा। नगर में बुधवार गुरुवार को हुई जोरदार बारिश के बाद नगर के वन विभाग के सामने बने शॉपिंग कांप्लेक्स में पानी की झिर फूट गई जिसकी वजह से लोगों की दुकानों में पानी घुस गया दुकानदारों ने बताया कि दुकान

में पानीका फब्बारा फूट गया जिसके कारण दुकान में पानी आ गया और सामग्री भी गीली हो गई यह स्थिति काफी देर तक निमित रही यह नजारा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे थे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा

मोठार में आज होगा बाबा खाटू श्याम का विशाल भजन संध्या

छिंदवाड़ा। आज शुक्रवार को समय सायं 7 बजे से प्रभु इच्छा तक ग्राम मोठार में भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिलेगा, जहाँ बाबा खाटू श्याम जी की विशाल भजन संध्या का आयोजन भव्यता के साथ संपन्न किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक अखिल अजय सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि संध्या में जिले के प्रतिष्ठित भजन कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक भक्तिमय प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा और आनंद से भर देंगी। इस अवसर पर बाबा की मनोहारी झांकी, इत्र वर्षा, भव्य 56 भोग, एवं अन्य विशेष आयोजन भी किए जाएंगे, जो कार्यक्रम को एक दिव्य स्वरूप प्रदान करेंगे। सभी श्रद्धालुओं से निवेदन है कि वे समय पर पहुंचकर इस पावन आयोजन का लाभ लें एवं भक्ति रस में सराबोर हों।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर संपन्न हुआ

छतरपुर/ गरीब जरूरतमंदों की सेवा के लिए नगर के प्रतिष्ठित प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर के पंद्रहवें वर्ष का छठवां आयोजन संपन्न हुआ , यह शिविर साकेतवासी प्रयाग नारायण अग्रवाल की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी अग्रवाल एवं पुत्र पंकज पीयूष पवन अग्रवाल नाती पलाश, पार्थ अग्रवाल एडवोकेट सृष्टि श्रुति क्रति प्रतीति के सहयोग से एवं हनुमान टोरिया सेवा समिति एवम सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के सयुक्त तत्वाधान में यह आयोजन किया गया

समिति के सदस्य गिरजा पाटकर ने बताया सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आए डॉक्टर अरविंद मिश्रा , डॉ रोहित लखेरा और उनकी 10 सदस्यीय टीम के द्वारा 250 नेत्र रोगियों के परीक्षण कर उन्हें उचित सलाह एवं चश्मा दवा दी गई तथा पिछले माह मोतियाबिंद के ऑपरेशन हुए मरीजों को नए चश्मा दिए गए जिससे उन्हें नई रोशनी मिली तथा आज नए 40 मरीजों को मोतियाबिंद हेतु चयनित कर चित्रकूट भेजा गयाइस अवसर आज के शिविर के सहयोगी संटू अग्रवाल की समिति ने सहाराहना करते हुए कहा नेत्र हीन को रोशनी देना यह अपार पुण्य का काम है आपके द्वारा 40 मरीजों को उनके ऑपरेशन होकर उन्हें दुबारा रौशनी मिलेगी , संटू अग्रवाल ने कहा मुझे अपने पिता की स्मृति में शिविर लगाने का अवसर समिति ने प्रदान किया मैं समिति का हृदय से धन्यवाद करता हूं इस शिविर की खास बात यह रही इस शिविर का सहयोग कर रहे बुंदेलखंड परिवार की चारों मातृशक्तिओ सृष्टि श्रुति क्रति प्रतीति ने खुद मानवता का धर्म निभाते हुए मरीजों के पंजीयन किये तथा दूर दराज से आए मरीजों को अपने हाथों से खिचड़ी प्रसाद भोजन भी कराए।

छिंदवाड़ा से दादा दरबार खंडवा में माथा टेकेंगे सांसद

हनुमान मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर सांसद ने शुरू की पदयात्रा, शहर सहित गांवों में लोगों ने किया सांसद और पदयात्रियों का स्वागत

छिन्दवाड़ा। दादाजी दरबार खंडवा में धुनी वाले दादाजी के दरबार में माथा टेकने के लिए 14 दिवसीय 411 किमी की पदयात्रा की शुरूआत सांसद बंटी विवेक साहू ने गुरूवार को की। पदयात्रा शुरू करने के पहले सांसद श्री साहू ने अपने निवास स्थान पर मा नर्मदा के जलकलश की परिवार सहित विधि विधान से पूजा की। सांसद श्री साहू अपनी धर्मपत्नी श्रीमती शालिनी साहू के साथ घर से जलकलश लेकर हनुमान मंदिर पहुंचे। हनुमान मंदिर में पूजारियों द्वारा साहू परिवार की मौजूदगी में मंत्रोच्चार के साथ मां नर्मदा की जलकलश की विधिविधान से पूजा अर्चना की। मां नर्मदा के जलकलश को पदयात्रा के साथ चल रहे रथ में सांसद श्री साहू के द्वारा रखा गया। अपनी 14 दिवसीय पदयात्रा को शुरू करने के पूर्व सांसद श्री साहू ने कार्यक्रम स्थल में मौजूद सभी धर्मों के धर्मगुरूओं का पुष्प व शाल श्रीफल से सम्मान कर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। सभी धर्मगुरूओं ने सांसद श्री साहू को आर्शीवाद देते हुए उनकी सफल पदयात्रा की कामना की। सांसद श्री साहू के निवास स्थान के सामने स्थित हनुमान मंदिर से पदयात्रा का शुभारंभ किया गया। पदयात्रा सत्कार चौक, कलेक्ट्रेड कार्यालय के सामने से होते हुए गुरैया सब्जी मंडी से होकर अपने पूर्व निर्धारित मार्ग पर रवाना हुई। पदयात्रा का छिन्दवाड़ा शहर सहित ग्रामीण अंचलों में भव्य स्वागत किया गया। पदयात्रा में सैकड़ों की संख्या में पदयात्रियों के साथ सांसद श्री साहू चल रहे है। इस दौरान हुई बारिश भी पदयात्रा को रोक नहीं पाई।पदयात्रा का रोहना सहित अन्य स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। पदयात्रा के रोहना पहुंचने पूर्व युवा नेता अजय सक्सेना ने सांसद बंटी विवेक साहू का स्वागत किया। रोहना में पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डेहरिया, विजय पांडेय, पंकज शुक्ला, छोटु पाल, धर्मेन्द्र मिगलानी, सीताराम चंद्रवंशी, अखिलेश शुक्ला, बब्लु विश्वकर्मा, अभिषेक वर्मा, नीरज वर्मा, शरद पेठने, गुडडा सुर्यवंशी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में रोहनावासी उपस्थित थे। पदयात्रा के सांसद निवास के सामने से प्रारंभ होने के बाद नाहर नर्सिग होम के सामने गुम्ठी व्यपारी संग, सत्कार चौक में सिंघई परिवार, गुलाबरा मेन रोड के पास गुलाबरा वासियों एवं गोयल परिवार, शुक्ला ग्राउंड के पास तिलोरे कुन्बी समाज एवं वार्ड वासियों के द्वारा, छिन्दवाड़ा के महाराजा के संगठन के द्वारा, आदिनाथ पेट्रोल पम्प में चन्द्रकुमार चंदू जैन के द्वारा, रानी की कोटी के पास मंडल अध्यक्ष श्रीमति लीला बाजोलिया एवं वार्ड वासियों द्वारा, गुरैया मंडी में गुरैया व्यपारी मंडल सहित अन्य स्थानो पर भव्य स्वागत किया गया। प्रमुख सामाजिक संगठनों की रही मौजूदगी।

अतिक्रमण से बरारिया स्कूल पहुंच मुख्य मार्ग जलमग्न

आरआई व पटवारी ने एसडीएम के आदेश का नहीं किया पालन

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरारिया स्कूल पहुंच मार्ग है जो सत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बरारिया सड़क सीमा के नजदीक गांव के दो लोगों ने मिट्टी बंधान कर पानी के बहाव को रोक दिया है, जिससे यह सड़क मे 50 मीटर से अधिक दूरी मे जलमग्न हो गई है। मुख्य मार्ग सड़क में कीचड़ एवं पानी के कारण स्कूल पहुंचने वाले विद्यार्थियों व ग्रामीणो की जनताओ को आवागमन करने में अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरपंच मोहन कहार ने उक्त विषय को लेकर 19 जून को एस डीएम पुष्पेंद्र निगम से मुलाकात कर एक पत्र लिखकर समस्या के निराकरण की बात रखी थी। जिसमें एसडीएम ने राजस्व निरीक्षक और क्षेत्रीय पटवारी को एक पत्र जारी कर अतिक्रमण हटाकर करवाई करने की बात कही थी । पत्र में कहा गया था कि आप तत्काल उक्त स्थल की जांच कर अतिक्रमण होने पर अतिक्रमण का प्रकरण तैयार कर अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। 20 जून को राजस्व निरीक्षक राजाराम शंकर सिंगारे अपनी पटवारी टीम के साथ अतिक्रमण स्थल पर पहुंचे जहां मुख्य मार्ग के दोनों तरफ पांच-पांच फीट अतिक्रमण पाया गया । अतिक्रमणकारियो द्वारा मिट्टी का बंधान बनाकर अतिक्रमण भी देखा गया। परन्तु इसके बावजूद भी राजस्व टीम ने इस अतिक्रमण को हटाने के लिए अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। एवं यह भी बताया गया की राजस्व निरीक्षक ने अतिक्रमण हटाने की अपेक्षा पंचायत को नाली बनाकर पानी निकालना के लिए कहा गया जबकि सड़क के दोनों तरफ पाइपलाइन होने के कारण पक्की नाली निर्माण करना संभव नहीं है सड़क की भौगोलिक स्थिति के अनुसार गांव का पानी इसी रास्ता जाता है, पानी का बहाव इतना तेज नहीं है कि फसल को नुकसान हो सके जहां इन लोगों ने अतिक्रमण किया है।उक्त स्थल कि शासकीय भूमि से मिट्टी बंधान हटाने से सड़क में पानी नहीं रुकेगा।

संगठन में कोई छोटा और कोई बड़ा नहीं, सभी समान है: संजय कपूर

राजीव कांग्रेस भवन में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से की भेंट

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस संगठन के नव सृजन के लिए संगठन सृजन अभियान एक सशक्त कदम है। संगठन सृजन अभियान तहत अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी से छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस के लिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकगणों ने स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। जला कांग्रेस के मोर्चा संगठन व अनुसांगिक संगठनों के जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों से चर्चा के दौरान एआइसीसी से नियुक्त पर्यवेक्षक संजय कपूर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी एवं माननीय राहुल गांधी की इस अभियान को लेकर जो सोच है उससे अवगत कराया। उन्होंने कहा इस अभियान का उद्देश्य केवल पदाधिकारियों की नियुक्ति तक सीमित नहीं है। मकसद संगठन को और अधिक सशक्त करना है। हालांकि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ के मार्गदर्शन में छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस का संगठन पहले से ही एकजुट व सशक्त है। पंचायत स्तर व मंजरे टोलों तक संगठन की मजबूत पकड़ व कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की सक्रियता गत दिवस सांवरी जैसे उप ब्लॉक में भी देखने को मिली, निश्चित ही इसके पीछे नाथद्वय का योगदान और पदाधिकारियों की निष्ठा है। पर्यवेक्षकों के दल ने राजीव कांग्रेस भवन में पृथक-पृथक मुलाकात कर जिला कांग्रेस संगठन की नब्ज टटोली। इस दौरान श्री कपूर ने उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से चर्चा में कहा कि संगठन में सभी की भूमिका अहम है। संगठन में ना कोई बड़ा है न कोई छोटा है। संगठन को और अधिक मजबूत करना ही हम सभी धेय है। इस दौरान पर्यवेक्षक सुनील जायसवाल, सुरेन्द्र चौधरी व अभिनव ढिमोले ने सभी उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान जिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, किसान कांग्रेस व कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

राशन दुकान में गरीबों के राशन की कालाबाजारी जोरों पर

शिकायत होने के बाद भी नहीं जागा खाद्यान्न विभाग

परासिया/बड़कुही। शासन प्रशासन कालाबाजारी करने वालों पर कार्रवाई करने का रोज दम भर रही है। छोटे मोटे और नये नवेले भ्रष्टाचार करने वालों को पकड़कर प्रशासन अपनी तारीफों के रोज पुल बांध रहा। ऐसी घटनाओं को देखकर सिर्फ एक बात ही सत्यार्थ होती नजर आ रही है कि हाथी के दांत खाने के कुछ और दिखाने के कुछ और होते हैं। जनता के सामने सिर्फ ईमानदारी का दिखावा किया जा रहा है सही में तो

ऐसे ही प्रशासनिक अधिकारियों से सांठगांठ कर भ्रष्टाचार और कालाबाजारी की जा रही है 26 जून बुधवार को बड़कुही राशन दुकान में चल रही गरीबों के अनाज की कालाबाजारी के संबंध में समाचार प्रकाशित किया गया जबकि इसकी सूचना खाद्य विभाग अधिकारी को फोन के माध्यम से भी दी गई। परन्तु खाद्य विभाग अधिकारी बड़कुही राशन दुकान के संचालक किशोर राव पर इतने मेहरबान है कि तुरंत इस शिकायत की जानकारी भ्रष्टाचारियों तक पहुंचा दी जिसके परिणामस्वरूप राशन दुकान में कार्यरत कर्मचारियों ने दूसरे दिन ही कार्ड धारकों से खरीदा गया राशन ऑटो में भरकर व्यापारी के पास पहुंचा दिया गया जिससे जांच करने वाले अधिकारी को राशन दुकान में राशन वितरित करने के उपरांत खरीदा हुआ राशन ना मिल सकें जिसके चलते की हुई शिकायत झूठी साबित हो जाए। और राशन दुकान संचालक को विभाग के तरफ से ले देकर क्लीन चिट मिल जाए। परन्तु शिकायत कर्ता और समाचार संग्रहण करने वाले ने राशन दुकान में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा जब अनाज को बेचने हेतू ऑटो में भरा जा रहा था तब उसका विडियो बना लिया गया। और संबंधित अधिकारी को इसकी सूचना भी दे दी गई है अब इसी बात को लेकर परासिया एसडीएम को लिखित शिकायत करने की भी तैयारी की जा रही है।

5.90 हजार की सड़क का भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश इटारसी। शहर के वार्ड क्रमांक 22 में विधायक निधि से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने किया । इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगरपालिका की पार्षद सभापति जल गीता पटेल, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, भाजपा महामंत्री शैलेन्द्र दुबे, मनीष सोलंकी, विनय चाचा, पंकज दिवान, आनंद मोहन दुबे, श्याम दुबे, निशा दुबे, प्रीति पांडे, डब्लू यादव, निक्की सराठे, मनमोहन कुमार तथा बसंत दुबे उपस्थित रहे। सड़क 5.90 लाख रुपए से बनेगी। इस सड़क निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी।

वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली को तत्काल बंद करे पुलिस: एनएसयूआई

पार्किंग के नाम पर केवल वाहनों की जब्ती उचित व स्थाई समाधान नहीं

छिन्दवाड़ा। जिला मुख्यालय पर सुचारू यातायात व्यवस्था निर्मित करने के नाम पर पुलिस की जारी अवैध वसूली से आमजन त्रस्त हो चुके हैं। पुलिस ने वाहन चालकों की जेब ढिली करने और स्वयं की जेब को रुपयों से गर्म करने के दो रास्ते अपनाएं है। पहला रास्ता वाहन चैकिंग व दूसरा रास्ता सड़क किनारे खड़े वाहनों को जबरन जब्त करना। इसमें पुलिस के साथ ही टोवेन के कर्मचारी भी जमकर अवैध वसूली में जुटे हैं। पुलिस की जारी मनमानी के खिलाफ एनएसयूआई ने मोर्चा खोलते हुए पुलिस अधीक्षक के नाम चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रस्तुत किया।पुलिस वाहन चैकिंग व दस्तावेजों के परीक्षण के नाम पर शहर की सभी सड़कों पर खुलेआम वाहन चालकों से रुपए मांग रही है। जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं स्कूल एवं महाविद्यालय पहुंचते हैं। पुलिस उन्हें भी तरह-तरह से प्रताड़ित कर रही है। टोवैन से वाहनों को उठाया जा रहा है जिससे लगातार वाहनों में होने वाली क्षति की पूर्ति पुलिस नहीं करती इसका सारा खर्च एक वाहन मालिक को ही उठाना पड़ता है। एनएसयूआई ने पुलिस के द्वारा जारी अवैध वसूली पर तत्काल विराम लगाने की मांग की है।ज्ञापन प्रस्तुत करते समय एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय ठाकुर, राजू वाडिवा समर्थ मैद, लेखराम यदुवंशी, तनय शर्मा, सत्येन्द्र अहिरवार, प्रकाश भावरकार, सतीश डेहरिया, अनुराग डेहरिया, मोनू लाडे, अविनाश काकोड़िया, शिखर लोधी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कलीम कामरेड के निवास जाकर अधिकारियों ने सौंपा सम्मान पत्र

सिवनी। 26 जून 1975 को भारत में अपातकाल लगा था उस समय लोकतंत्र को अक्षूण बनाये रखने और नागरिकों के अधिकारों के लिए कई लोगों ने कठोर यातनाएं सहते हुए जेल में भी रहे जिसमें सिवनी जिले के भी कई लोग शामिल थे। बताया जाता है कि उस समय 21 मार्च 1977 को अपातकाल समाप्त हुआ था। वर्तमान में जो लोक अपातकाल के समय जेल में बंद थे उन्हें मीसाबंदी को मिलने वाली सुविधाएं दी जा रही है। म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को म. प्र. शासन के सम्मान पत्र से सम्मानित किया जिन्होने उस समय लोकतंत्र की रक्षा के लिए बलिदान दिया था। सिवनी के हाजी अ. करीम भी ऐसे मीसाबंदियों में शामिल थे जो अपातकाल के दौरान जेल में रहे। म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सिवनी के मीसाबंदियों को भी सम्मान पत्र से सम्मानित किया। चूंकि हाजी अ. करीम का निधन हो चुका है ऐसे में जिला प्रशासन के अधिकारी उनके सुपुत्र कलीम कामरेड के निवास स्थान पर पहुंचे और अपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर कलीम कामरेड को ताम्र पत्र प्रदान किया।

कर्नाटक के राज्यपाल का विधायक के नेतृत्व में हाईवे ट्रीट डोडी पर किया स्वागत

आष्टा । कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम थावरचंद गेहलोत का आज भोपाल से इंदौर जाते वक्त हाईवे ट्रीट डोडी पहुचने पर आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत का आष्टा विधानसभा क्षेत्र की ओर से विधायक द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया । स्मरण रहे महामहिम राज्यपाल थावरचंद गेहलोत इंदौर से भोपाल लोकतंत्र सेनानियों के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में शामिल होने भोपाल पहुंचे थे ।

छिंदवाड़ा। विश्वकर्मा बढाई समाज द्वारा सांसद विवेक साहू का खंडवा जाते समय स्वागत किया गया।

आपातकाल के 50 वर्ष पर भाजपा ने आयोजित की संगोष्ठी

दमोह। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान हत्या दिवस काला दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व मंत्री विधायक पन्ना बृजेंद्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे साथ ही पूर्व मंत्री विधायक दमोह जयंत कुमार मलैया, जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, महामंत्री सतीश तिवारी, लोकतंत्र सेनानी संघ जिला अध्यक्ष निर्गुण खरे, वरिष्ठ सेनानी हुकम चंद जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष विद्यासागर पांडे संगोष्ठी संयोजक अमित बजाज मंचासीन रहे। संगोष्ठी में लोकतंत्र सेनानी संघ एवं सभी लोकतंत्र सेनानियों का पुष्प हार पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया

पूर्व मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने संबोधन में कहा कि आज हम एक ऐसे काले दिन को स्मरण कर रहे हैं, जो भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज है। आज से 50 वर्ष पहले 25 जून 1975 को, कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा था। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे

बड़ा हमला था। यह सत्ता बचाने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखना था। इसके लिए संविधान को ताक पर रख दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई, न्यायपालिका को बाध्य किया गया और लाखों लोगों को बिना कारण जेलों में डाल दिया गया। आपातकाल लगाकर नागरिक अधिकारों को कुचल दिया गया। विचार रखने की स्वतंत्रता, लिखने की स्वतंत्रता, बोलने की स्वतंत्रता, सब पर ताले जड़ दिए गए। लोकतंत्र की %आत्मा को कुचलकर तानाशाही थोपी गई और मौलिक अधिकारों का अपहरण किया। 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अमान्य ठहराया और उन्हें छह वर्षों तक चुनाव लड़ने से रोक दिया। लेकिन इस निर्णय को स्वीकार करने

की बजाय, सत्ता बचाने के लिए आपातकाल थोप दिया गया। यह वह समय था जब संसद से लेकर सड़कों तक, सत्य, स्वतंत्रता और लोकतंत्र के लिए संघर्ष शुरू हुआ। हजारों की संख्या में सत्याग्रही, समाजसेवी, पत्रकार, श्रमिक, किसान, युवा और महिलाएं सड़कों पर उतरे। अनेक लोग जेल गए, अत्याचार सहे लेकिन झुके नहीं। मैं उन सभी वीरों को नमन करता हूँ, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। जिन्होंने यह साबित किया कि भारत की आत्मा को कभी कैद नहीं किया जा सकता । कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की कुर्सी बचाने के लिए देश को जेल बना दिया। लोकतंत्र की हत्या सिर्फ इसलिए हुई क्योंकि एक कोर्ट के फैसले ने इंदिरा गांधी की सत्ता को चुनौती दी थी। इंदिरा गांधी ने कैबिनेट को विश्वास में नहीं लिया, आधी रात को राष्ट्रपति से चुपचाप आपातकाल लागू करवाया। कांग्रेस की संस्कृति रही है- परिवार पहले, संविधान बाद में। इंडिया इज़ इंदिरा नारा कांग्रेस की लोकतंत्र विरोधी सोच का प्रतीक था।

रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव

कौशल, विकास और उद्यमी सफलता का स्वर्णिम पथ

रतलाम। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025' अंतर्गत रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव-एमपी राइज़ 2025 का आयोजन 27 जून को रतलाम में किया जा रहा है। यह आयोजन विशेष रूप से इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि 27 जून को 'अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस' मनाया जाता है। रतलाम को आयोजन स्थल के रूप में चुना जाना भी रणनीतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। यह शहर राजस्थान और गुजरात से निकटता रखता है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के समीप स्थित ह. और अब मध्यप्रदेश के एक नए औद्योगिक व लॉजिस्टिक्स हब के रूप में उभर रहा है।

इस भव्य आयोजन में 2500 से अधिक प्रतिभागी सहभागिता कर रहे है, जिनमें देश-प्रदेश के उद्योगपति, निवेशक, युवा उद्यमी, लाभार्थी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षण संस्थान से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यक्रम में अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति अपेक्षित है, जिनमें दिनेश पाटीदार (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, शक्ति पंप्स), संदीप गुप्ता (प्रबंध निदेशक, जैकसन ग्रुप), सिद्धार्थ बिंद्रा (प्रबंध निदेशक, बीबा इंडिया), अजीत जैन (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईपीसीए), आर. एस. जोशी (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोल्डक्रेस्ट सीमेंट), पंकज ओस्तवाल (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कृष्णा फॉसकेम), आनंद बंगुर (प्रबंध निदेशक, श्रीजी पॉलीमर्स), ओंकार पांडे (कार्यकारी उपाध्यक्ष, ओरियाना पावर) तथा कैलाश धनुका (निदेशक, धनुका ग्रुप) सहित देश के अग्रणी उद्योगपति एवं निवेशक हिस्सा लेंगे।

आयोजन में मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ राज्य सरकार के मंत्रीगण, प्रमुख सचिव, आयुक्तगण, औद्योगिक विकास निगमों के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित होंगे।

क्षेत्र में फार्मा, बायोटेक, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे सेक्टर्स को फोकस किया गया है। निवेशकों के लिए एमएसएमई क्लस्टरों के साथ-साथ लगभग 4 हजार एकड़ भूमि पर विकसित हो रहा प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा मेगा इंडस्ट्रियल पार्क भी विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में लघु फिल्मों के माध्यम से प्रदेश में संचालित योजनाओं की सफलताओं की झलक प्रतिभागियों को मिलेगी। प्रतिष्ठित उद्योगपति कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर प्रत्यक्ष रूप से अपने अनुभव व विचार साझा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उद्यमियों को आशय पत्र वितरित किए जाएंगे। विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को ऋण एवं वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर कई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा साथ ही औद्योगिक अधोसंरचना परियोजनाओं जैसे औद्योगिक पार्क, क्लस्टर एवं कार्यालय भवनों का लोकार्पण भी प्रस्तावित है।

कौशल, विकास और उद्यमशीलता के स्वर्णिम पथ पर मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव

RISE शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

द्वारा

27 जून 2025 । प्रातः 11:00 बजे । पोलो ग्राउंड, रतलाम

प्रमुख आकर्षण

- ₹ 2012 करोड़ से अधिक लागत की 94 औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का भूमिपूजन/लोकार्पण
- 288 एमएसएमई इकाइयों के लिए ₹ 270 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का वितरण
- 140 वृहद औद्योगिक इकाइयों को ₹ 425 करोड़ की वित्तीय सहायता का वितरण
- 538 एमएसएमई इकाइयों को भू-खंड आवंटन पत्र वितरण
- ₹ 6000 करोड़ से अधिक निवेश करने व 17600 से अधिक रोज़गार देने वाली 35 वृहद औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन हेतु आशय पत्र वितरण
- 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोज़गार के लिए ₹ 3861 करोड़ का ऋण वितरण
- थीमैटिक सेशन
- वन-टू-वन मीटिंग
- एमओयू एक्सचेंज
- प्रदर्शनी

फोकस सेक्टर

- कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी
- जेम्स एंड ज्वेलरी
- नवीकरणीय ऊर्जा
- फार्मा, बायोटेक, रसायन
- लॉजिस्टिक्स
- पर्यटन एवं टेक्सटाइल

D-11054/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी